अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 228 | लखनऊ, शनिवार, 07 मार्च 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

इज़राइल-ईरान संघर्ष: केंद्र सरकार ने टीवी न्यूज़ चैनलों की टीआरपी पर 4 हफ्ते की रोक लगाई

नई दिल्ली। इज़राइल-ईरान संघर्ष के दौरान टीवी न्यूज़ चैनल द्वारा अनावश्यक सनसनीखेज और अनुमानित सामग्री प्रसारित करने के मद्देनजर केन्द्र सरकार ने न्यूज चैनल के टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) की रिपोर्टिंग पर चार सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को निर्देश जारी कर कहा कि इज़राइल-ईरान संघर्ष के दौरान कुछ टीवी न्यूज़ चैनल अनावश्यक सनसनीखेज और भय पैदा करने वाली सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, जिससे आम जनता में भय पैदा हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों में जिनके प्रभावित क्षेत्रों में दोस्त और परिवार रह रहे हैं। ऐसे में जनहित में बीएआरसी चार हफ्ते तक न्यूज चैनल की टीआरपी रेटिंग जारी नहीं करें।

मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले उम्मीदवारों को बधाई दी है और कहा है कि वे देश की सेवा और जनमानस की आकांक्षाओं को पूरा करने की यात्रा में भी सफलता प्राप्त करें। सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम घोषित किये जाने के बाद श्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, '' सभी को बधाई जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा, 2025 में सफलता प्राप्त की है। उनकी समर्पण, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुँचाया है।

रैपर बादशाह के हरियाणवी रैप 'टटीरी' पर विवाद, जारी किया समन

चंडीगढ़। बॉलीवुड रैपर बादशाह (आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया) हरियाणवी फोक सॉन्ग 'टटीरी' के रीमिक्स रैप पर विवाद में फंस गए हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने गाने के बोल और वीडियो पर आपत्ति के बाद उन्हें समन जारी किया है। बादशाह को 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होकर पक्ष रखने को कहा गया है।हरियाणा के पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने यह नोटिस जारी किया है। इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है।शिकायत में बादशाह के रैप की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई है।

पुलिस ने दंगाग्रस्त राज्य को सेफ यूपी बनाया : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुख्यमंत्री योगी ने 50 क्यूआरटी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में 50 क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में वर्ष 2017 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश पुलिस के सकारात्मक कार्यों का परिणाम है कि वर्ष 2017 से पहले के अराजक, बिगड़े, दंगाग्रस्त, कर्फ्यू ग्रस्त राज्य को सुरक्षित उत्तर प्रदेश के रूप में परिवर्तित कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है और इसी कारण पहली बार कोई सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में आयी है।

लोक भवन, लखनऊ में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 50 क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन होंडा इंडिया फाउंडेशन की ओर से अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल, डीजीपी राजीव कृष्ण, होंडा इंडिया फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन समेत शासन-प्रशासन के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार देखा गया कि लोकतंत्र में कानून व्यवस्था चुनाव का मुद्दा बन सकता है और आज़ादी के बाद पहली बार कोई सरकार अपना 05 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से दुबारा सत्ता में आयी तो यह पुलिस के उसी प्रयास का परिणाम है, जो 2017 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश में पुलिस ने ऐसा कार्य किया कि वर्ष 2017 से पहले के एक अराजक, बिगड़े, दंगाग्रस्त, कर्फ्यू ग्रस्त राज्य को सेफ यूपी के

रूप में बदल दिया।

उन्होंने कहा कि विकास की पहली शर्त सुरक्षा होती है, लेकिन 2017 से पहले न व्यक्ति सुरक्षित था और न ही परिवार तो कैसे निवेश आएगा लेकिन 2017 के बाद भारत की आत्मा उत्तर प्रदेश को संजोने संवारने के लिए हमने वह सब कुछ किया जो जरूरी था और यह परिणाम 09 वर्ष में सबके सामने है। उन्होंने समारोह को विशेष महत्व का बताते हुए कहा कि 09 वर्ष में यह ओवरऑल परिवर्तन व परसेप्शन बदला इसके लिए कुछ सुधार किये गए। ट्रांसफॉर्मेशन बगैर रिफॉर्म के नहीं हो सकता।

उन्होंने अपनी सरकार में पुलिस में किए गए सुधार व उपलब्ध कराए गए संसाधनों की चर्चा करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में यूपी पुलिस के पास पीआरवी के कुल 9500 वाहन थे, आज उनकी संख्या प्रदेश में 15,500 से अधिक है। इसी प्रकार 2017 में टू व्हीलर की संख्या 3000 थी लेकिन आज इनकी संख्या बढकर 9200 से अधिक है। यह केवल संख्या नहीं है, इसने पुलिस के रिस्पॉन्स टाइम को न्यूनतम लाने में सफलता प्राप्त की है। अगर देखें तो आपातकालीन स्थिति में जितनी त्वरित कार्रवाई होगी वही विश्वास में बदलती है और यह विश्वास ही ट्रांसफारमेशन का कारण बनता है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी हमेशा कहते हैं कि मॉडल पुलिसिंग के लिए जो तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, उसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और मोबिलिटी और इन तीनों का अपना महत्व है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल का जो पहले बजट था, वह 2017 के पहले साँस अटकते-अटकते 16,000 करोड़ तक पहुँच पाता था और वह भी खर्च नहीं हो पाता था। वर्षों पहले जिले बने थे लेकिन जिला मुख्यालय नहीं, पुलिस लाइन नहीं, ऐसे में क्या पुलिस परिणाम देती? इतना ही नहीं पुलिस के पास पुराने असलहे, कोई सुविधा नहीं, अवस्थापना सुविधाएँ जीरो, टूटे हुए बैरक में, टूटे हुए एज्बेस्ट्स शीट के नीचे रहने के लिए पुलिसकर्मी दिन भर की 12 घंटे की ड्यूटी के बाद जब आते थे। मौसम में सर्दी, गर्मी, बरसात में उस टूटे हुए खपरैल के नीचे उन्हें रहने के लिए मजबूर होना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने लखनऊ की पुलिस लाइन के भ्रमण के दौरान संसाधनों की कमी का जिक्र किया कि किस तरह जवान रहने के लिए मजबूर होते थे।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने कार्यकाल में पुलिस संसाधनों के विस्तार की चर्चा करते हुए कहा कि आज मॉडल थाने बन रहे हैं, मॉडल फायर स्टेशन बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस बल की ट्रेनिंग की क्षमता 2017 में केवल 3000 ट्रेनिंग की क्षमता थी ऐसे में चिंता थी कि ट्रेनिंग कैसे दी जाएगी। नौजवान परेशान थे, क्योंकि वर्षों से भर्ती नहीं हो पाई थी और निष्पक्ष भर्ती तो एक प्रश्न बना हुआ था कैसे होगा। मेरे सामने समस्या थी कि हम 3000 से अधिक भर्ती एक बार नहीं कर सकते थे । मुख्यमंत्री ने कहा 2017 के बाद तेजी से काम हुआ और विश्व स्तरीय फारेंसिक लैब बनाए गए हैं। कई जिले में निर्माणाधीन हैं। फारेंसिक वैन भी तैनात है। बड़ी संख्या में पुलिस कार्मिकों की भर्ती की और सभी की ट्रेनिंग यूपी के ही ट्रेनिंग सेंटर में हो रही है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित

अनुज अग्निहोत्री देशभर में अव्वल

एजेंसी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अनुज अग्निहोत्री ने देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। आयोग के अनुसार लिखित परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि साक्षात्कार दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच आयोजित किए गए। इन चरणों के आधार पर कुल 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। इन अभ्यर्थियों को

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं के समूह 'ए' और 'बी' में नियुक्ति के लिए चुना गया है। परीक्षा परिणाम के अनुसार शीर्ष दस स्थानों पर चयनित अभ्यर्थियों में अनुज अग्निहोत्री ने पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे एम और तीसरे स्थान पर अकंाश धुल रहे। चौथे स्थान पर राघव झुनझुनवाला, पांचवें स्थान पर ईशान भटनागर, छठे स्थान पर जिन्निया अरोरा, सातवें स्थान पर ए.आर. राजाह मोहाइदीन, आठवें स्थान पर पक्षाल सेक्रेट्री, नौवें स्थान पर आस्था जैन और दसवें स्थान पर उज्ज्वल प्रियांक रहे। आयोग के अनुसार कुल चयनित 958 उम्मीदवारों में सामान्य वर्ग के 317, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 104, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 306, अनुसूचित जाति (एससी) के 158 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 73 अभ्यर्थी शामिल हैं।

कृषि क्षेत्र को नई ऊर्ज़ा से भरना जरूरी: मोदी

- प्रधानमंत्री ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर बजट बाद वेबिनार को संबोधित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों को निर्यात उन्मुख बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक डाइट, ऑर्गेनिक फूड और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में भारत के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और केमिकल-फ्री उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का एक ह्लहाईवेङ्क बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए प्रमाणन, प्रयोगशालाओं और आवश्यक ढांचे के विकास पर विचार कर रही है, लेकिन इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल एक फसल पर निर्भर रहने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ जाता है और आय के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी कारण सरकार फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दे रही है। खाने के तेल और दालों के लिए राष्ट्रीय मिशन तथा प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन जैसे प्रयास कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अनाज, दालों और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है, लेकिन 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश करते हुए कृषि क्षेत्र में नई ऊर्ज़ा भरना आवश्यक है। इस वर्ष के बजट में इसी दिशा में कई नए अवसर प्रदान किए गए हैं।

31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : अमित शाह

एजेंसी

भुवनेश्वर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों और केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प के कारण देश अब इस समस्या से मुक्ति के अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

कटक के मुंडुली में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि 31 मार्च तक भारत नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा कि सुरक्षा बलों के समन्वित और लगातार अभियानों के कारण देश अब दशकों पुरानी इस समस्या से छुटकारा पाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार तय समयसीमा के भीतर नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सीआईएसएफ की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। शाह ने कहा, चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना , नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में सीआईएसएफ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने तथाकथित रेड कॉरिडोर की अवधारणा पर भी प्रहार करते हुए कहा कि सुरक्षा बल उन लोगों को पूरी तरह परास्त कर देंगे जो तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे सुरक्षा बल इस चुनौती को पूरी तरह समाप्त कर देंगे, जो एक बड़ी उपलब्धि होगी।

वायु सेना के सुखोई विमान दुर्घटना में दोनों पायलटो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई 30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमें सवार दोनों पायलटो की मौत हो गई है। वायु सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार सुबह विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटो स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की मौत हो गयी है। प्रवक्ता ने

कहा कि वायु सेना दुख और संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और संवेदना व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना जोरहाट से 60 किलोमीटर दूर हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद से वायु सेना की ओर से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले वायु सेना ने गुरुवार देर रात बताया था कि एक सुखोई विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं पर आने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया था। प्रवक्ता ने कहा था कि एक सुखोई लड़ाकू विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं आने की सूचना मिली है। इस विमान ने असम के जोरहाट हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी और इससे गुरुवार शाम सात बजकर 42 मिनट पर अंतिम बार संपर्क हुआ था।

यादव-मुस्लिम से आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही सपा

97 जिलाध्यक्षों में करीब 70% यादव-मुस्लिम, दलित और सवर्णों की भागीदारी बेहद कम; 2027 चुनाव से पहले संगठन पर उठे सवाल

- सपा के 95 जिलाध्यक्षों में 66 यादव-मुस्लिम, जबकि दलित सिर्फ 3 और सवर्ण 7 ही
- PDA का नारा देने वाली सपा में एक भी ठाकुर जिलाध्यक्ष नहीं, संगठन में M-Y समीकरण का दबदबा
- 2027 चुनाव से पहले संगठन में बड़े फ़ेरबदल की चर्चा, गैर-यादव ओबीसी और अन्य जातियों को साधने की चुनौती

मनोज शुक्ल, ब्यूरो चीफ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में PDA (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का नारा देकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई रणनीति पेश की। 2024 लोकसभा चुनाव में इस फॉर्मूले के सहारे पार्टी को बड़ी सफलता मिली और 80 में से 37 सीटें जीतने में कामयाब रही। लेकिन संगठन के भीतर की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। प्रदेश में सपा

के 95 जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों में से करीब 70 प्रतिशत पद यादव और मुस्लिम नेताओं के पास हैं। इनमें 42 यादव और 24 मुस्लिम जिलाध्यक्ष हैं, जबकि दलितों को महज 3 और सामान्य वर्ग को 7 जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। हैरानी की बात यह है कि संगठन में एक भी ठाकुर जिलाध्यक्ष नहीं है।

PDA का नारा, लेकिन संगठन में पुराना समीकरण- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा का आधार लंबे समय से यादव-मुस्लिम (M-Y) समीकरण रहा है। यही वजह है कि पार्टी नेतृत्व संगठन में भी इसी पर भरोसा करता नजर आता है।हालांकि प्रदेश में ओबीसी की आबादी लगभग 40 प्रतिशत, दलितों की 20 प्रतिशत और सवर्णों की करीब 19 प्रतिशत मानी जाती है, लेकिन संगठन में इन वर्गों की हिस्सेदारी सीमित है।

मंडलों में भी दिखता है M-Y प्रभाव- पूर्वांचल के कई मंडलों में यादव नेतृत्व का वर्चस्व है, जबकि पश्चिमी यूपी में मुस्लिम जिलाध्यक्षों की संख्या ज्यादा है। हालांकि आगरा और कानपुर मंडल अपेक्षाकृत संतुलित माने जा रहे हैं, जहां अलग-अलग जातियों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। दो पद अभी भी खाली- प्रदेश में कुल 97 पदों में से बिजनौर और रामपुर नगर के जिलाध्यक्ष पद अभी खाली हैं। पिछला बड़ा संगठनात्मक फ़ेरबदल 7 अप्रैल 2023 को हुआ था, जब प्रदेश अध्यक्ष की कमान नरेश उत्तम पटेल के हाथों में थी। बाद में उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ाने के बाद पार्टी ने श्यामलाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया, लेकिन उनके कार्यकाल में बड़े स्तर पर बदलाव अभी तक नहीं हो पाए हैं।

विपक्ष का तंज- भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि सपा का PDA मॉडल सिर्फ चुनावी नारा है। उनके मुताबिक, सपा संगठन में परिवार और M-Y समीकरण से आगे बढ़ने को तैयार नहीं है। सपा का बचाव- सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष स्थानीय कार्यकर्ताओं की राय से चुने जाते हैं। उनका कहना है कि प्रदेश कमेटी में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की जाती है।

2027 से पहले बदलेगा समीकरण?

वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि सपा का पारंपरिक आधार यादव-मुस्लिम रहा है, इसलिए संगठन में उसका प्रभाव दिखना स्वाभाविक है। लेकिन 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी को गैर-यादव ओबीसी और अन्य जातियों को साथ जोड़ने की चुनौती भी होगी। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या सपा PDA को संगठन में भी लागू करेगी या फिर राजनीति का केंद्र M-Y समीकरण ही बना रहेगा?

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस, उड़ानों की शुरुआत का रास्ता साफ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने किया सुरक्षा मानकों का परीक्षण

लखनऊ। योगी सरकार के महत्वाकांक्षी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) परियोजना को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। एयरपोर्ट को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस (Security Vetting Approval) मिल गया है। यह प्रक्रिया एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जांच के बाद पूरी की जाती है। इस मंजूरी के साथ ही अब डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है, जिसके बाद यहां से फ्लाइट ऑपरेशंस शुरू किए जा सकेंगे। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली इस परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ाया गया है। योगी सरकार का लक्ष्य जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे आधुनिक और बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल करना है, जो उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट पर फ्लाइट संचालन शुरू होने से पहले सुरक्षा मानकों का परीक्षण अनिवार्य होता है। इसके लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) की टीम एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, एक्सेस कंट्रोल, यात्रियों और कार्गो की जांच व्यवस्था सहित कई पहलुओं का निरीक्षण करती है। सभी मानकों के अनुरूप पाए जाने पर ही सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस दिया जाता है। सिक्योरिटी वेटिंग अप्रूवल का मतलब है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था उड़ान संचालन के लिए सुरक्षित मानी गई है। इसके बाद ही फ्लाइट शुरू होने की अंतिम प्रक्रिया आगे बढ़ती है। सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद अगला चरण डीजीसीए द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी करना होता है। यह लाइसेंस मिलने के बाद ही किसी एयरपोर्ट से व्यावसायिक उड़ानों का संचालन संभव होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने जेवर एयरपोर्ट को राज्य के सबसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया है। यह एयरपोर्ट न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक महत्वपूर्ण एविएशन हब के रूप में उभर रहा है। सरकार का मानना है कि इसके शुरू होने से प्रदेश में निवेश, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और व्यापार को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य जल्द से जल्द नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारंभ कर उसे ऑपरेशनल करने का है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को कई चरणों में विकसित किया जा रहा है। पूर्ण रूप से विकसित होने के बाद यह देश ही नहीं एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल हो जाएगा। इसकी क्षमता प्रतिवर्ष करोड़ों यात्रियों को संभालने की होगी और यह उत्तर प्रदेश को वैश्विक एविएशन नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दवा लेने जा रही प्रिंसिपल की सड़क हादसे में मौत, ट्रॉमा सेंटर में तोड़ा दम

लखनऊ। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में मदरसे की प्रिंसिपल की मौत हो गई। वह अपनी शुगर-बीपी की दवाई लेने के लिए घर से पैदल ही निकली थीं। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अंधे की चौकी सिकरौल निवासी फातिमा खान (39) मदरसे की प्रिंसिपल थीं। उनके पति शाहिद अनवर भी उसी मदरसे में पढ़ाते हैं। दो बेटियां हैं। परिजनों के मुताबिक, 3 मार्च की शाम फातिमा घर से दवा लेने के लिए निकली थीं। इसी दौरान वह पैदल सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फातिमा गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में पीछे और हाथ-पैर में काफी चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर नहीं मिली है। बाइक को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। घटना स्थल के पास सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में अगले जुमे होगा बड़ा प्रदर्शन, अमेरिका-इजराइल के खिलाफ एकजुट होंगे मुस्लिम

लखनऊ। ईरान पर हुए हमले को लेकर लखनऊ में अगले जुमे बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने ईरान की सलामती और शांति के लिए दुआ कराई। चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो हम यहां से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। 6 मार्च की नमाज के दौरान बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और मस्जिद परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। कल्बे जव्वाद के अनुसार, 13 मार्च की नमाज के बाद लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। मौलाना कल्बे जव्वाद ने अपने बयान में कहा कि ईरान पर किया गया हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल को इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति और इंसाफ की बात करने वाले देश अगर खुद ऐसे कदम उठाते हैं तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मौलाना ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से वैश्विक तनाव और बढ़ सकता है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने ईरान के मुद्दे पर भारत की चुप्पी को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति और न्याय की बात करता रहा है, ऐसे में इस मामले पर स्पष्ट रुख सामने आना चाहिए। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही घटनाओं पर भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश की आवाज महत्वपूर्ण होती है, इसलिए सरकार को इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान ईरान और वहां के लोगों की सलामती के लिए विशेष दुआ भी कराई गई। मौलाना ने कहा कि दुनिया में शांति कायम रहे और निर्दोष लोगों को किसी भी तरह की हिंसा का सामना न करना पड़े, यही दुआ की गई है। नमाज के बाद कुछ लोगों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारेबाजी भी की और हमले की निंदा की। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि यदि हालात में सुधार नहीं हुआ तो अगले जुमे को अमेरिका और इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो सकते हैं। मौलाना ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा हालात को देखते हुए इस बार ईद सादगी के साथ मनाने की अपील की गई है। उन्होंने लोगों से कहा कि त्योहार के मौके पर फिजूलखर्ची से बचें और जरूरतमंदों की मदद करें। ईरान के मुद्दे को लेकर संभावित संवेदनशीलता को देखते हुए जुमे की नमाज के दौरान आसिफी मस्जिद और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रहीं, हालांकि नमाज और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

मर्चेंट नेवी अफसर के घर चोरी, जेवरात, नकदी और समेत लाखों का सामान उड़ाया

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और महत्वपूर्ण कागजात चुरा लिए। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह पड़ोसियों ने मकान मालिक को फोन पर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। यह मकान मर्चेंट नेवी के चीफ ऑफिसर शैलेंद्र यादव का है, जो डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट के पीछे मोहनलालगंज में स्थित है। शैलेंद्र यादव के भांजे विशेष यादव, जो एक निजी अस्पताल में सुपरवाइजर हैं, वर्तमान में इस मकान में रह रहे थे। विशेष यादव मूल रूप से कानपुर देहात के जैनपुर निवासी हैं। पीड़ित विशेष यादव ने पुलिस को बताया कि वह पिछले चार दिनों से घर पर नहीं थे। इसी दौरान चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात, लगभग दस हजार रुपये नकद, मकान की रजिस्ट्री और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। पीड़ित के अनुसार, चोरों ने घर के लगभग हर दरवाजे का ताला तोड़ा और सामान खंगाला। वे आधी बोरी में रखे ड्राई फ्रूट्स भी अपने साथ ले गए। चोरी हुए सामान का विस्तृत विवरण बाद में दिया जाएगा।

होली व चैत्र नवरात्रि स्पेशल 'कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026' का भव्य शुभारंभ

लखनऊ। होली और चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कैसरबाग स्थित सफ़ेद बारादरी में कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक, और बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 100 से अधिक मास्टर बुनकरों द्वारा तैयार किए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क व कॉटन हैंडलूम उत्पादों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम और टसर सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक डिजाइन के आकर्षक परिधान भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा कश्मीरी प्योर क्रेप की साड़ियां, प्योर सिल्क मार्क अप्रूव्ड साड़ियां तथा कई विशेष हैंडलूम उत्पाद भी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। प्रदर्शनी में आए आगंतुकों ने यहां उपलब्ध वस्त्रों की गुणवत्ता, डिजाइन और विविधता की सराहना की। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक फैशन का सुंदर संगम इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रहा है, जो फैशन प्रेमियों और पारंपरिक परिधानों के शौकीनों को खासा आकर्षित कर रहा है। आयोजक मानस आचार्य और जावेद मकसूद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश के बुनकरों को एक मजबूत मंच प्रदान करना और लोगों को भारतीय सिल्क व हैंडलूम की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुनकरों को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है।

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच, प्रदेश के सभी विकास खंडों में बन रहे ग्रामीण स्टेडियम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के सभी विकास खंडों में ग्रामीण स्टेडियमों के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इन स्टेडियमों में मल्टीपरपज हॉल, कम से कम दो सौ मीटर का एथलेटिक्स ट्रैक तथा विभिन्न आउटडोर खेलों के लिए मैदान विकसित किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में करीब 30 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

प्रदेश सरकार की इस योजना के तहत प्रत्येक विकास खंड में एक ग्रामीण स्टेडियम और ओपन जिम की स्थापना की जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में खेल प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास और प्रतियोगिताओं की बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि गांव-गांव में खेल संस्कृति विकसित हो और ग्रामीण प्रतिभाएं राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करें। यह पहल ग्रामीण युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। योगी सरकार का लक्ष्य खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इसी दृष्टि से प्रदेश के स्पोर्ट्स कॉलेजों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। इसके लिए संबंधित प्रस्ताव जल्द ही खेल विभाग को उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही स्पोर्ट्स कॉलेजों को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से संबद्ध करने की भी योजना है, जिससे खिलाड़ियों को सुव्यवस्थित ढांचे में उन्नत प्रशिक्षण और आधुनिक खेल सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द उत्तर प्रदेश खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने कहा है कि खिलाड़ियों के विकास और खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए उपलब्ध धनराशि का उपयोग खेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में प्रभावी रूप से किया जाए। साथ ही विकास खंड स्तर पर निर्माणाधीन ग्रामीण स्टेडियमों का कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए तथा प्रत्येक स्टेडियम में आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से खेल प्रशिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। प्रदेश के गांवों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन संसाधनों और उचित मंच के अभाव में कई प्रतिभाएं आगे नहीं बढ़ पातीं। ग्रामीण स्टेडियम बनने से खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, स्थानीय टूर्नामेंट और प्रशिक्षण की सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार खेल अवसंरचना का विस्तार कर रही है। इसके तहत विभिन्न जिलों में स्टेडियम, मिनी स्टेडियम और खेल मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही फुटबॉल सहित अन्य खेलों के लिए भी बड़े पैमाने पर मैदान विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में खेल संस्कृति को और मजबूती मिले। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि ग्रामीण स्टेडियमों के निर्माण से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे फिटनेस के प्रति अधिक जागरूक होंगे। इसके साथ ही खेल प्रशिक्षकों, प्रतियोगिताओं के आयोजन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मैनपुरी और इटावा में विकसित होगा सारस सर्किट सारस संरक्षण के साथ इको टूरिज्म को बढ़ावा

- टूरिस्ट सुविधाओं के विकास से आएगा आकर्षण
- स्थानीय लोगों और पर्यटकों में बढ़ेगी पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस (क्रेन) के संरक्षण और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सारस सर्किट की स्थापना कर रही है। सारस सर्किट का विकास प्रदेश के मैनपुरी और इटावा जिलों के वेटलैंड्स में किया जा रहा है। इसके तहत मैनपुरी के किर्थुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज एवं समन के साथ इटावा के सरसई नावर और परौली रामायण वेटलैंड एरिया में सारस सर्किट विकसित किया जा रहा है। सारस सर्किट में सारस पक्षी के संरक्षण के साथ इको टूरिज्म की गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य सारस पक्षी और वेटलैंड्स संरक्षण के साथ स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा देना है। यह स्थानीय लोगों को आय के अवसर उपलब्ध करवाएगा और सारस पक्षी और वेटलैंड्स के संरक्षण के लिए भी प्रेरित करेगा। इन परियोजनाओं का विकास ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश का वन विभाग कर रहा है। दुनिया में सबसे लंबी उड़ान के लिए जाना जाने वाला सारस पक्षी, उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है। इसका आवास और प्रजनन क्षेत्र विशेषतौर पर राज्य के मैनपुरी, इटावा, एटा, अलीगढ़ की वेटलैड्स में है। जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार सारस पक्षी के संरक्षण के लिए सारस सर्किट का विकास कर रही है। जहां प्रदेश का वन विभाग, यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र के उथले जलाशयों, तालाबों और अन्य वेटलैड्स को संरक्षित कर सारस पक्षी के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही क्षेत्र में ईको टूरिज्म की गतिविधियों को भी विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में मैनपुरी और इटावा जिलों के सारस सर्किट में प्रवेश द्वार, व्यू पॉइंट, डेक एवं बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गार्डन, सोलर साइट लाइटिंग, इंटरप्रिटेशन सेंटर, पार्किंग जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। साथ ही सारस सर्किट में पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्र, ईको-टॉयलेट ब्लॉक, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क और ओडीओपी व स्मृति चिन्ह की दुकानें भी विकसित की जाएंगी। ये सुविधाएं पर्यटकों को सारस के प्राकृतिक आवास को देखने और समझने का अवसर प्रदान करेंगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार की यह पहल न केवल सारस (क्रेन) और अन्य पक्षियों जैसे- ग्रे हेरॉन, ओपन-बिल्ड स्टॉर्क आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि क्षेत्र के वेटलैंड्स के संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। यह इन क्षेत्रों में भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही इन क्षेत्रों में इको टूरिज्म की गतिविधियों के विकास से स्थानीय समुदाय के लोगों को आय और रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे स्थानीय लोगों और घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों में भी पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता में बढ़ोतरी होगी। सारस पक्षी को उसके प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षा और संरक्षण प्रदान कर योगी सरकार क्षेत्र की जैव विविधता को संजोने का अनूठा प्रयास कर रही है। ये परियोजनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सतत विकास की अवधारणा को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दिल्ली-वाराणसी फ्लाइट लखनऊ डायवर्ट, खराब मौसम के कारण नहीं हो पाई लैंडिंग

लखनऊ। दिल्ली से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान (आईएक्स 1225) को शुक्रवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। वाराणसी में खराब मौसम के कारण विमान वहां लैंड नहीं कर सका। इस उड़ान में 90 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह उड़ान दिल्ली से सुबह रवाना हुई थी और इसे सुबह 8 बजे वाराणसी पहुंचना था। हालांकि, वाराणसी में शुक्रवार सुबह मौसम खराब होने के कारण विमान एयरपोर्ट पर उतर नहीं सका। विमान ने आसमान में कई चक्कर लगाए, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से उसे लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद उड़ान को लखनऊ एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट कर दिया गया, जहां यह सुबह करीब 8.30 बजे पहुंची। दोपहर 12 बजे तक भी विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर ही खड़ा था। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, वाराणसी का मौसम सामान्य होने के बाद इसे लखनऊ से वाराणसी के लिए रवाना किया जाएगा।

योगी झुकने को तैयार न संत रुकने को राजी

अभयानंद शुक्ल
कार्यकारी सम्पादक

- शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की काशी से लखनऊ की यात्रा 7 मार्च से
- 11 को लखनऊ में होगी जुटान गोहत्या-गोमांस निर्यात रोकने को दबाव बनाने का प्रयास
- ऐसा करने की सीएम को दे चुके हैं चुनौती, अन्यथा योगी को कालनेमि घोषित करने की है तैयारी

लखनऊ। माघ मेला क्षेत्र प्रयागराज से उठे विवाद का तूफान शांत होने का नाम ही नहीं ले रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर लगे बाल यौन शोषण के आरोप भी उनका मनोबल तोड़ नहीं पाए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली गिरफ्तारी से राहत के बाद शंकराचार्य फिर से योगी विरोधी मुहिम में जुट गए हैं। कहने को तो इस यात्रा का मुद्दा गोहत्या और गोमांस निर्यात रोकने का दबाव बनाने के लिए है पर असल निशाने पर योगी हैं। शंकराचार्य पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि यदि चालीस दिन के भीतर यानी 10 मार्च तक योगी ये काम नहीं कर पाए तो वे उन्हें कालनेमि घोषित कर देंगे। अब उसी क्रम में 7 मार्च से उनकी काशी से लखनऊ तक की यात्रा होने जा रही है, जो 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेगी। यानी सियासी ड्रामा एक बार फिर होगा। प्रयागराज माघ मेला में स्नान विवाद को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और सीएम योगी के बीच शुरू तल्खी बढ़ती जा रही है। उस वक्त अपने कथित अपमान से नाराज शंकराचार्य ने जब मेला प्रशासन और प्रदेश सरकार से माफी की मांग कर दी तो प्रशासन ने उल्टे उनसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग लिया। उसके बाद अविमुक्तेश्वरानंद नाराज हो गए और धरने पर बैठ गए। इसके बाद हरियाणा के एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने भी बिना नाम लिए ये कह दिया कि कुछ लोग कालनेमि बने घूम रहे हैं, और सनातन को बदनाम कर रहे हैं। इस बयान को शंकराचार्य ने अपने ऊपर ले लिया।

उन्होंने कहा कि अगर योगी जी सच्चे सनातनी हैं तो वे यूपी से गोहत्या और गोमांस निर्यात रोक कर दिखाएं, नहीं तो 40 दिन बाद लखनऊ में संतों की सभा में उन्हें कालनेमि घोषित कर दिया जाएगा। और वह मियाद आगामी 10 मार्च को समाप्त हो रही है। और उसी के लिए शंकराचार्य की लखनऊ यात्रा हो रही है। इसी दौरान योगी को मिली चुनौती के बाद जगद्गुरू रामभद्राचार्य के कथित शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य पर बाल यौन शोषण का मुकदमा दर्ज करा दिया है। मामले में शंकराचार्य ने हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत की याचिका लगाई तो हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद शंकराचार्य ने फिर योगी के खिलाफ झोला उठा लिया है। इस मामले में काशी से मिली जानकारी के अनुसार शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी से लखनऊ यात्रा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। उनकी यात्रा सात मार्च को वाराणसी से शुरू होगी और 11 मार्च को लखनऊ में समाप्त होगी। इस यात्रा के दौरान जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव और नैमिषारण्य में भी सभाएं आयोजित की जाएंगी। तय कार्यक्रम के अनुसार 11 मार्च को लखनऊ के कांशीराम स्मृति स्थल पर इसका समापन होगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की प्रमुख मांगों में गाय को 'राज्यमाता' घोषित करना और यूपी से बीफ निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू करना शामिल है। आरोप है कि पूरे देश का 40 फीसदी बीफ निर्यात यूपी से ही होता है। अपनी इस यात्रा के माध्यम से वे इन मुद्दों पर जन समर्थन जुटाएंगे। इस यात्रा में बड़ी संख्या में संतों के शामिल होने की संभावना है।

गरीबों की दिल खोल कर सहायता करें: मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ। रमजानुल मुबारक के तीसरे जुमे को जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अपने खुतबे में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि अल्लाह के इंआमों में से एक इंआम रमजानुल मुबारक का महीना है जिसमें एक एक नेकी का सत्तर से सात सौ गुना तक अल्लाह तआला अपने बंदों को सवाब देता है, इससे नेकी की ऐसी फिजा और माहौल बन जाता है कि बंदे के दिल का झुकाव बुराई की तरफ कम और अच्छाई की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। इसी मुबारक महीने में रोज़े जैसे अहम्तरीन रुक्न-ए-इस्लाम को फर्ज किया कि इसका दिन रोज़े की हालत में गुज़ारा जायेगा, इस में रोज़ा रखने का बदला अपने लिए खास़ किया। इसका पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मग़फिरत और तीसरा अशरा जहन्नम से छुटकारा है। रमजानुल मुबारक के इस महीने में नेक अमल को आसान बनाने के लिए शैतानों को कैद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में तीन तरह के विषय हैं। एक अकीदा कि खुदा पाक पूरी दुनिया का मालिक है। उसने दुनिया को पैदा करके उसको दूसरों के हवाले नही कर दिया है बल्कि वह हर समय पूरी कायनात को अपनी मर्जी के मुताबिक़ चला रहा है। इस लिए हम सब को अपनी जरूरतें इसी एक मालिक के सामने रखनी चाहिएं। उसका बेहतरीन तरीका दुआ है। दुआ से बन्दे में खाक़्सारी पैदा होती है जो खुदा पाक को बहुत पसंद है और दुआ न करने से तकब्बुर पैदा होता है जो खुदा पाक को सबसे अधिक नापसंद है। मौलाना ने कहा कि इस माह की बहुत बड़ी बरकत है कि हम ने कुछ रातों में कुरान मजीद सुना। हम पर यह जिम्मेदारी है कि कुरान मजीद के अहकाम से वाकिफ हों।

कविता पाठ भावगीत एवं भजन, गीत, गजल, गायन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। रामलीला के बड़े पंडाल में बाबू हरी बहादुर श्रीवास्तव स्मृति कविता पाठ भावगीत एवं भजन, गीत, गजल, गायन प्रतियोगिता का आयोजन श्रीराम लीला कमेटी हरदोई द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें जूनियर वर्ग के अंतर्गत कुल 7 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

निर्णायक मंडल में इंदू शुक्ला तथा कंचन सिंह रहीं। इस प्रतियोगिता में काव्या अवस्थी ने प्रथम, इधीका मिश्र ने द्वितीय तथा दीपक कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम पुरस्कार 1000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 500 रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 300 रूपये का प्रदान किया। इसके अतिरिक्त चार सांत्वना पुरस्कार 100 रूपये प्रत्येक को प्रदान किए गये। इसके पश्चात ख वर्ग की प्रतियोगिता प्रारंभ हुई, जिसमें निर्णायक मंडल के अंतर्गत डॉ० शिव रुचि सिंह तथा मृदुल अस्थाना रहीं। इसमें कुल 22 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम पुरस्कार रामजी सिंह 3000 रूपये द्वितीय रिदम गुप्ता को 2000 रूपये व तृतीय पुरस्कार ईशान बाजपेई को 1000 रूपये तथा 2 अन्य सांत्वना पुरस्कार 500-500 रूपये क्रमशः आयुष ठाकुर व अन्वेषा तिवारी को प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र 'मधुर' के द्वारा किया गया।

इस अवसर संयोजिका रंजना सिंह, मनमन श्रीवास्तव, कुमकुम श्रीवास्तव, रामप्रकाश शुक्ला, मनोज अग्रवाल, प्रमोद मिश्रा, विनीत मिश्रा, मुनेंद्र सिंह, समीर शुक्ला, प्रदीप पाठक, तथा सैकड़ों की संख्या में अभिभावकगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नुमाइश मेले में विराट कवि सम्मेलन का हुआ आगाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए हास्यवीर और श्रृंगार रस की फुहारों से माहौल काव्यमय हो गया।

कवियों ने सामयिक व्यंग्य और देशभक्ति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा 'मधुर', सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे श्रीराम लीला मेला कमेटी के आयोजक राम प्रकाश शुक्ला ने कवियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत।

डीपीआरओ को सूचना के बाद भी नहीं हुई सफाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावां में पोस्ट ऑफिस के पीछे बजबजा रही नालियां।

हरियावाँ (हरदोई)। विकास खंड मुख्यालय हरियावां में स्वच्छता व्यवस्था की पोल उस समय खुलती नजर आ रही है जब पोस्ट ऑफिस के पीछे स्थित क्षेत्र में महीनों से नालियां गंदगी से भरी पड़ी हैं। नालियों में जमा गंदा पानी और कूड़ा-करकट सड़कर बदबू फैला रहा है, जिससे आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं कराई गई है, जिसके कारण गंदा पानी जमा होकर बजबजा रहा है। शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप इस कदर बढ़ जाता है कि लोगों का घरों के बाहर बैठना तक दूभर हो गया है। क्षेत्रवासियों को डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी खतरा सता रहा है। स्थिति इतनी खराब हो गई कि आसपास रहने वाले कुछ स्थानीय लोगों को मजबूर होकर अपने स्तर पर ही नालियों की आंशिक सफाई करनी पड़ी, ताकि गंदगी और जलभराव से थोड़ी राहत मिल सके। इसके बावजूद पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सका और अधिकांश नालियां अब भी गंदगी से भरी पड़ी हैं। प्रदेश सरकार द्वारा होली जैसे प्रमुख पर्व को देखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे, ताकि त्योहार के दौरान स्वच्छता बनी रहे और बीमारियों की आशंका न बढ़े। लेकिन हरियावां में इन निर्देशों का असर कहीं नजर नहीं आया। हालात यह रहे कि त्योहार बीत जाने के बाद भी पोस्ट ऑफिस के पीछे की नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं और जिम्मेदार विभाग अब तक बेखबर बना हुआ है। गौरतलब है कि इस समस्या के संबंध में बुधवार को जिला पंचायत राज अधिकारी हरदोई विनय कुमार सिंह को फोन के माध्यम से अवगत भी कराया गया थाए लेकिन इसके बावजूद मौके पर कोई ठोस सफाई व्यवस्था नहीं कराई गई। इससे प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब विकासखंड मुख्यालय के पास ही यह स्थिति बनी हुई है तो दूर.दराज के गांवों की हालत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नालियों की सफाई कराई जाए और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाए, ताकि क्षेत्र को गंदगी और मच्छरों के आतंक से राहत मिल सके।

बैंक के सामने बरामदे में बैठी महिला से 8 हजार रूपये छीन कर बदमाश फरार, घटना से अफरा-तफरी मची

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पीड़ित महिला राम श्री

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली के दिलेर गंज स्थित स्टेट बैंक की शाखा से रुपए निकाल कर बरामदे में गिन रही एक बुजुर्ग महिला से दिनदहाड़े एक नकाबपोश बदमाश ने थप्पड़ मार कर 8 हजार छीने और फरार हो गया। महिला रोती रही। स्टेट बैंक के गार्ड ने इस घटना पर कोई तवज्जो नहीं दी और महिला को कुछ दूर ले जाकर घर चले जाने के लिए कहकर भेज दिया। पीड़ित महिला ने कोतवाली में तहरीर दी है।

शाहाबाद कोतवाली के ग्राम नरहाई निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला राम श्री पत्नी सूर्यपाल कुशवाहा बैंक में जमा गन्ना के रुपए निकालने के लिए आई थी। बुजुर्ग महिला का ऑपरेशन होना था, इसलिए उसको रुपए की सख्त जरूरत थी। शुक्रवार को दोपहर ०1:00 बजे महिला ने रूपये 20,000 निकाले और बैंक के बरामदे में बैठकर रुपए गिनने लगी। इसी बीच चेहरा ढक कर आए एक युवक ने बुजुर्ग महिला के थप्पड़ मारा और गिनते हुए एक हाथ के रुपए छीनकर सरस्वती शिशु मंदिर की ओर भाग गया। महिला के अनुसार 12 हजार रूपये उसके एक हाथ में बच गए दूसरे हाथ के 8 हजार रूपये बदमाश छीन कर ले गया। बुजुर्ग महिला चीखने चिल्लाने लगी और गार्ड तथा आसपास के लोगों को घटना के बारे में बताया। गार्ड ने महिला के साथ हुई घटना को नजरअंदाज कर दिया और महिला को बैंक से कुछ दूर अपने साथ लेकर आया और घर चले जाने के लिए कहकर उसे छोड़ दिया। पीड़ित महिला ने घर आकर सारी दास्तान अपने पुत्रों को बताईए उसके बाद कोतवाली में तहरीर दी है। फिलहाल घटना से पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क पर अज्ञात युवक मिला

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मोहल्ला दिलेरगंज में स्टेट बैंक तिराहे पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात युवक गुरुवार की रात से पड़ा पाया गया। मोहल्ले वालों ने शुक्रवार सुबह उसके मुंह से झाग निकलता देख इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस के माध्यम से घायल युवक को सीएचसी भेजा जहाँ से इलाज के लिए युवक को जिला चिकित्सालय भेजा गया है। जामा मस्जिद पुलिस चौकी के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया घायल को इलाज के जिला चिकित्सालय भिजवाया गया है। जहाँ उसका इलाज चल रहा है। उसकी तबियत सही होने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

08 मार्च को होगा एक दिवसीय पिंक रोजगार महाकुम्भ का आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला सेवायोजन अधिकारी रामवीर सिंह ने बताया है कि शासन के मंशानुसार मिशन रोजगार के अन्तर्गत बेरोजगार महिला अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ के द्वारा इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में 08 मार्च 2026 को प्रातः 10.00 बजे से एक दिवसीय पिंक रोजगार महाकुम्भ का आयोजन किया जा रहा है, उक्त मेले में महेन्द्रा फाइनेन्स, हीरो क0, अमेजन, जियो, फ्लिपकार्ट सहित 50 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। जिसमें न्यूतम हाईस्कूल पास अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। जिसमें 2000 रिक्तियों, आयु सीमा 18 से 40 वर्ष एवं वेतन-10,000 से 35,000 रहेगा। इच्छुक महिला अभ्यर्थी रोजगार मेले में विभागीय पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करा कर आवेदन कर सकते है। जिन महिला अभ्यर्थियों का ऑनलाइन आवेदन नही हो पाया है, वह महिला अभ्यर्थी सीधे इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में पहुँच कर पिंक रोजगार महाकुम्भ में प्रतिभाग कर सकते है।

महिला को सांप ने डसा, परिजन महिला सहित सांप लेकर पहुँचे सीएचसी

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सीएचसी में सांप के साथ पहुंचे

परिजन। हरपालपुर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई, जब सांप के डसने के बाद परिजन महिला के साथ-साथ उस सांप को भी डिब्बे में बंद कर अस्पताल ले आए। सांप को देखते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के सतौथा गांव की निवासी संगीता पत्नी पवन श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह को घर के बाहर कंडे लेने गई थीं। इसी दौरान वहां छिपे एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। परिजनों ने सूझबूझ दिखाते हुए न केवल महिला को संभाला, बल्कि उस सांप को भी एक डिब्बे में कैद कर लिया और उसे साथ लेकर सीधे अस्पताल पहुंच गए। सीएचसी अधीक्षक डॉ० आनंद पांडेय ने बताया कि सांप के साथ आने से अस्पताल में थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी मची, लेकिन डॉक्टरों ने तुरंत महिला का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। डॉ० पांडेय के अनुसारए महिला की हालत अब खतरे से बाहर है और उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है।

जननायक एक्सप्रेस से जहानी खेड़ा के ग्राम सरैया में गिरकर युवक की मौत

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड के जहानीखेड़ा रेलवे लाइन से पंजाब से बिहार जा रही जननायक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15210) में यात्रा कर रहे एक युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यह घटना ग्राम सरैया थाना पिहानी के पास हुई। मृतक की पहचान रिंकू कुमार (22) पुत्र खातो ऋषि, निवासी तेतराही जानकीनगर, पूर्णिया, बिहार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसारए रिंकू कुमार पंजाब से बिहार अपने घर जा रहा था। ग्राम सरैया थाना पिहानी के पास वह जननायक एक्सप्रेस से गिर गया। गिरने के कारण उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर जहानी खेड़ा चौकी इंचार्ज एस०एस०आई० कैलाश चंद्र यादव अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को सील कराकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल हरदोई भेज दिया। चौकी इंचार्ज यादव ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित करने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

छात्रा ने गंगा नदी में लगाई छलांग, तलाश जारी

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के कुसुमखोर गंगा पुल पर शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां एक छात्रा की साइकिल, दुपट्टा और चप्पलें लावारिस हालत में मिलीं। सामान की शिनाख्त ग्राम मंसूरपुर निवासी 14 वर्षीय वंदना पुत्री गुड्डू के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि छात्रा ने पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी है। सूचना पर पहुंची अरवल पुलिस ने गोताखोरों की मदद से नदी में छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, वंदना जनता इंटर कॉलेज पुरसौली में कक्षा 9 की छात्रा थी और पिछले कुछ समय से उसका मानसिक उपचार चल रहा था। वह पांच भाई,बहनों में दूसरे नंबर की हैं। थानाध्यक्ष अरवल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। गोताखोरों के माध्यम से सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन खबर लिखे जाने तक छात्रा का कोई सुराग नहीं लग सका था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्रीमद्भागवत कथा एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। विकास खंड के बेडीजोर स्थित ठाकुर जी ट्रेडर्स परिसर में शुक्रवार को श्रीमद्भागवत कथा एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। भक्ति और श्रद्धा के संगम के बीच आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विशाल कलश यात्रा से की गई।

श्रद्धालु गाजे-बाजे और जयकारों के साथ चियासर गंगा घाट पहुंचेए जहाँ विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश भरे गए। इसके पश्चात कलश यात्रा कथा स्थल पर पहुंची, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। नैमिष धाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथा व्यास राधा बल्लभ मिश्रा अपनी अमृतमयी वाणी से भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे। यज्ञ की विधि यज्ञाचार्य दिनेशचंद्र शुक्ला द्वारा संपन्न कराई जा रही है। आयोजन में यज्ञ संकल्पी धैर्य प्रताप सिंह 'मोनू' के साथ कथा यजमान अभिषेक प्रताप सिंह, देवेंद्र सिंह तोमर, शौर्य प्रताप सिंह, हरिपाल सिंह और रामवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह हुआ आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। नगर पंचायत द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्र ने नगरवासियो से गले मिलकर और गुझिया खिलाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। समारोह में बड़ी संख्या में नगर के लोग शामिल हुए और आपसी भाईचारे व सौहार्द के साथ एक दूसरे के गले मिले।

शुक्रवार की शाम कस्बे के नझहाई चौराहे पर आयोजित होली मिलन समारोह में लोगों ने एक.दूसरे गले मिलकर बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्र ने कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। ऐसे आयोजन समाज में एकता और आपसी मेलजोल को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी नगरवासियों को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक धर्मज्ञ मिश्र सुधीर मिश्र सभासद संजीव गुप्ता, अमित गुप्ता, प्रिंस बाथम विजय कुमार, संजय ओमर उमेश त्रिवेदी, ब्रजेश मिश्र राम सिंह वर्मा, चेतराम गुप्ता, अमर चन्द्र गुप्ता आदि नगरवासी मौजूद रहे।

वेतन न मिलने से मनरेगा कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। ब्लॉक मुख्यालय पर शुक्रवार को मनरेगा कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा। जुलाई 2025 से मानदेय (वेतन) न मिलने और ईपीएफकी राशि लंबित होने के विरोध में कर्मचारियों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। नाराज कर्मियों ने खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह राणा को जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की।

अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी रोमेश कुमार के नेतृत्व में जुटे रोजगार सेवकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और तकनीकी सहायकों ने बताया कि दीपावली के बाद अब होली पर भी उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा है। लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया हैए जिससे उनके लिए परिवार का भरण.पोषण करना मुश्किल हो रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि एक ओर प्रदेश सरकार सर्वाधिक मानव दिवस सृजित करने पर अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारी शोषण का शिकार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मानदेय का भुगतान नहीं हुआए तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। इस दौरान प्रदेश संयोजक शम्मी कपूर सोनकर, अरविंद कुमार, अमित कुमार, अजय सिंह, मनमोहन सिंह, पंकज कुमार और संजय दीक्षित समेत दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत-चन्दसौरा, विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई

पत्रांक-मेमो/निविदा/राज्य वित्त /पन्द्रहवा वित्त/2025-26 दिनाँक-06.03.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्य वित्त/पन्द्रहवाँ वित्त के अन्तर्गत कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यों पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो / भट्ठा मालिकों से दिनाँक-07.03.2026 से दिनाँक-11.03.2026 तक शाम 03:00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं को दिनाँक-11.03.2026 शाम 04:00 बजे फर्मो अथवा उनके नामित प्रतिनिधियों के समक्ष कार्यालय में गठित समिति सदस्यों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्रों की बिक्री उपरोक्त अवधि में सायं 05:00 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में क्रय की जा सकती है।

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	सामग्री	प्राकलन के अनुसार स्वीकृत धनराशि	टेण्डर बिक्री की धनराशि	सामग्री आपूर्ति की अवधि
1.	रामाधार के घर से देशराज के घर तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	ईंट, सीमेंट, मौरंग, बालू इण्टरलाकिंग ईंट आदि	698317.00 रु0	100 रु0	07 दिन

नोट . नियम व शर्तो निम्नवत हैं

1. एक अथवा समस्त निवेदाये, कोटेशन बिना कारण बताएं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा।
2. सामग्री की मात्रा आवश्यकता घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
3. समस्त सामग्री के आपूर्ति कार्य स्थल पर की जाएगी।

(राम बेटी)
प्रधान
ग्राम पंचायत-चन्दसौरा,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

(श्रीष मिश्रा)
सचिव / ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत-चन्दसौरा,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी इतिहास

वैसे तो दुनिया में अभी भी पांच-छह युद्ध जारी है और उनकी गंभीरता को कम नहीं माना जा सकता। लेकिन ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है। उनकी कमाई और रोजी-रोटी से ज्यादा उनकी जान की बन आई है और उनसे जुड़े हिन्दुस्तानी परिवारों और पूरे हिन्दुस्तान में बेचैनी महसूस की जा रही है। फिर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है जिसका असर कितना और कैसा होगा इसकी कल्पना मुश्किल है। जंगी विस्फोटों और तेल तथा गैस के ठिकानों से होने वाले प्रदूषण का असर भी कहीं एक जगह भर नहीं रुकेगा। जंग वैसे भी कितने स्थायी दोस्त और उससे ज्यादा दुश्मन बना देता है। भारत ने युद्ध के अरब देशों में पसरने और ईरान द्वारा अमेरिकापरस्त अरब देशों के ठिकानों पर आक्रमण करने के बाद शांति और अयुद्ध के पक्ष में बयान दिया है लेकिन अभी भी काफी सारे लोगों को इंतजार ही है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके साथियों की हत्या की निंदा करे, ईरान पर इजरायली हमले और अमेरिकी दखल की निंदा करे। उसके बगैर उसका बयान अधूरा है और यही गिना जाएगा कि वह इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई के पक्ष में है। इसमें यह तथ्य और जुड़ जाएगा कि हमले से ठीक पहले हमारे प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा होती है और वहां की संसद को संबोधित करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाते हैं। वैसे भी भाजपा और संघ इजरायल का पक्षधर रहा है। अनेक समझौतों के साथ वह गर्मजोशी भी इसी पक्ष में गईं ली जाएगी जो मोदी और नेतन्याहू के बीच दिखी। इस बीच भारत ने मुश्किल ठिकानों पर फंसे हिंदुस्तानियों को स्वदेश लाने का काम जरूर शुरू कर दिया है। लेकिन जब संख्या करोड़ के आसपास हो तो यह काम कैसा और कितना मुश्किल है यह भी कल्पना की जा सकती है। जंग शुरू करने के पीछे अमेरिका या इजरायल की मंशा ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना या उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करना है। इस थ्योरी को आज कोई नहीं मानता, बल्कि अभी तक ईरान पर जो हमले हुए हैं उनमें स्कूल तो निशाने पर आये हैं लेकिन किसी परमाणु ठिकाने का नंबर नहीं आया है और अभी तक ईरान का जो रवैया है और ईरानी आमजन में जो प्रतिक्रिया है उससे लगता नहीं कि वह बहुत आसानी से हथियार डालेगा या अमेरिका आसानी से उसके यहां वेनेजुएला जैसा सत्ता परिवर्तन करा लेगा। लगभग पचास साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सैनिक और धार्मिक जमात का ईरानी गठजोड़ वैसे भी इतना मजबूत बन चुका है कि वह किसी 86 साल के बूढ़े नेता के न रहने के चलते बिखरने वाला नहीं है। अमेरिका ईरान में अपने सैनिक या सहयोगी सैनिक भेजकर वहां की लड़ाई में टिक पाएगा इसकी गुंजाइश भी नहीं लगती। वैसे भी अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने का खेल खेलकर मात खा चुका है। यह लड़ाई कभी औरतों के नाम पर होती है कभी लोकतंत्र के नाम पर। अब वह सीधे जंग में उतरने के बाद ये नाम भी नहीं ले सकता और वियतनाम से लेकर दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि वह इतने नाराज देश की सरजमीं पर कदम भी रखने से बचेगा। वह बाहरी खेल से सत्ता परिवर्तन जरूर चाहेगा। हमारे लिए ईरान और खामेनेई के पक्ष में बयान भी न दे पाने की वजह ईरानी शासन का अभी तक चला स्वरूप ही है।

> **ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है।**

आधुनिक विश्व व्यवस्था में एलीट नेटवर्क और शक्ति का विमर्श

कैलाश चन्द्र

> **इतिहास में कुछ वित्तीय परिवारों, जैसे मेयर एम्शेल रोथ्सचाइल्ड के वंशजों से जुड़ा रोथ्सचाइल्ड बैंकिंग फैमिली नेटवर्क तथा जॉन डी. रॉकफ़ेलर से जुड़ा रॉकफ़ेलर फाउंडेशन, अंतरराष्ट्रीय वित्त और परोपकारी संस्थाओं के माध्यम से लंबे समय तक प्रभावशाली रहे हैं।**

आधुनिक विश्व-राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते समय यह प्रश्न बार-बार उठता है कि क्या सत्ता केवल निर्वाचित सरकारों के हाथों में होती है या उसके पीछे ऐसे प्रभाव-समूह भी सक्रिय रहते हैं जिनकी शक्ति औपचारिक संस्थाओं से कहीं अधिक व्यापक होती है। पिछले कुछ दशकों में अनेक शोधकर्ताओं, पत्रकारों और विश्लेषकों ने इस विषय को ग्लोबल एलीट नेटवर्क या पावर स्ट्रक्चर के रूप में समझने का प्रयास किया है। इन नेटवर्कों में वित्तीय संस्थाएं, वैश्विक मंच, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, प्रौद्योगिकी कंपनियां, दान संस्थाएं और कभी-कभी खुफिया एजेंसियों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों का परस्पर संबंध देखने को मिलता है। इस संदर्भ में कई संस्थाएँ और घटनाएँ चर्चा के केंद्र में रहती हैं जैसे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का दावोस सम्मेलन, बिल्डरबर्ग ग्रुप की बंद बैठकें, वैश्विक वित्तीय संस्थाएँ जैसे इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक, तथा बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिनका सामूहिक प्रभाव बिग टेक के रूप में जाना जाता है। इन संस्थाओं की भूमिका को समझने के लिए यह ध्यान रखना आवश्यक है कि वैश्विक व्यवस्था केवल आर्थिक लेन-देन का तंत्र नहीं है, बल्कि यह विचारों, नीति-निर्माण और प्रभाव के बहुस्तरीय नेटवर्क से निर्मित होती है। उदाहरण के लिए, दावोस में आयोजित होने वाला वार्षिक सम्मेलन विश्व भर के राजनीतिक नेताओं, कॉरपोरेट प्रमुखों, निवेशकों और नीति विशेषज्ञों को एक मंच पर लाता है। यहां औपचारिक निर्णय नहीं लिए जाते, किंतु नीति-निर्माण की दिशा, आर्थिक प्राथमिकताएँ और वैश्विक सहयोग की रूपरेखा पर चर्चा होती है। इसी प्रकार बिल्डरबर्ग जैसी बैठकें लंबे समय से इस कारण चर्चा में रहती हैं कि वे अत्यंत सीमित और बंद प्रकृति की होती हैं, जहाँ प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच विचार-विमर्श होता है। आलोचकों का तर्क है कि ऐसे मंच वैश्विक नीति पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकते हैं, जबकि समर्थकों का कहना है कि वे केवल संवाद और विचार-विनिमय के मंच हैं। वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का निर्माण भी इसी प्रकार के ऐतिहासिक और संस्थागत नेटवर्क से जुड़ा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बने ब्रेटन वुड्स ढाँचे ने अंतरराष्ट्रीय वित्त को एक नई संरचना दी। आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं का उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता, पुनर्निर्माण और विकास को प्रोत्साहित करना था। साथ ही, केंद्रीय बैंकों का नेटवर्क जैसे विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक मुद्रा नीति और वित्तीय स्थिरता के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। इतिहास में कुछ वित्तीय परिवारों, जैसे मेयर एम्शेल रोथ्सचाइल्ड के वंशजों से जुड़ा रोथ्सचाइल्ड बैंकिंग फैमिली नेटवर्क तथा जॉन डी. रॉकफ़ेलर से जुड़ा रॉकफ़ेलर फाउंडेशन, अंतरराष्ट्रीय वित्त और परोपकारी संस्थाओं के माध्यम से लंबे समय तक प्रभावशाली रहे हैं। हालांकि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं अधिक विविध और जटिल हो चुकी है, फिर भी इन ऐतिहासिक संस्थाओं की भूमिका का अध्ययन यह समझने में मदद करता है कि आधुनिक वित्तीय ढाँचा कैसे विकसित हुआ। इसी व्यापक संदर्भ में एक और विवादास्पद विषय अक्सर सामने आता है अमेरिकी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ा नेटवर्क। एपस्टीन का नाम २०१९ में उसकी गिरफ्तारी और बाद में हिरासत में मृत्यु के बाद वैश्विक मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। उसके सामाजिक संबंधों में अनेक उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, राजनेताओं और सांस्कृतिक हस्तियों के नाम सामने आए। इस कारण कई विश्लेषकों ने यह समझने का प्रयास किया कि क्या यह केवल व्यक्तिगत अपराध का मामला था, या इसके पीछे एक व्यापक प्रभाव-तंत्र भी कार्यरत था। कुछ पत्रकारों और शोधकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि एपस्टीन ने अपने धन और सामाजिक संपर्कों के माध्यम से एक ऐसा नेटवर्क बनाया जिसमें विज्ञान, मीडिया, राजनीति और दान संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल थे। हालाँकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन दावों और सिद्धांतों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए। एपस्टीन के अपराधों के संबंध में न्यायिक जांच और मीडिया रिपोर्टों में कई तथ्य सामने आए, किंतु डीप पावर स्ट्रक्चर या वैश्विक खुफिया एजेंसियों से जुड़े कथित नेटवर्क के बारे में अधिकांश दावे अभी भी विवादास्पद या अपुष्ट हैं। उदाहरण के लिए, कुछ विश्लेषकों ने यह अनुमान लगाया कि एपस्टीन ने हनी ट्रैप या ब्लैकमेल नेटवर्क के माध्यम से प्रभावशाली लोगों को नियंत्रित करने का प्रयास किया होगा। इस संदर्भ में कभी-कभी खुफिया एजेंसियों जैसे सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी या मोसाद का नाम भी चर्चाओं में आता है। किंतु अब तक उपलब्ध सार्वजनिक प्रमाण इन दावों को निर्णायक रूप से सिद्ध नहीं करते। इसलिए गंभीर अध्ययन में इन सिद्धांतों को विवादास्पद परिकल्पनाएँ या स्पेक्युलेटिव थ्योरीज़ के रूप में देखा जाता है, न कि स्थापित तथ्य के रूप में। फिर भी यह तथ्य निर्विवाद है कि आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में शक्ति केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहती। कॉरपोरेट पूँजी, वित्तीय संस्थाएँ, प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और वैश्विक मंच मिलकर एक जटिल प्रभाव-तंत्र बनाते हैं। उदाहरण के लिए बिग टेक कंपनियों ने पिछले दो दशकों में सूचना, डेटा और संचार पर इतना व्यापक नियंत्रण प्राप्त कर लिया है कि उनका प्रभाव कई देशों की नीतियों को प्रभावित कर सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल आर्थिक कंपनियाँ नहीं रह गए हैं; वे सामाजिक संवाद, राजनीतिक विमर्श और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों को भी आकार देते हैं। इसी प्रकार वैश्विक बाजार शक्तियाँ जिन्हें कभी-कभी ग्लोबल मार्केट फोर्सेज कहा जाता है नीति निर्माण पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डालती हैं। जब निवेश, ऋण और पूँजी प्रवाह किसी देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं, तो सरकारें भी अक्सर उन कारकों को ध्यान में रखकर निर्णय लेती हैं। इस प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, निवेश बैंक, हेज फंड और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ एक व्यापक आर्थिक नेटवर्क बनाते हैं। इन परिस्थितियों में डीप स्टेट या डीप पावर स्ट्रक्चर जैसी अवधारणाएँ भी चर्चा में आती हैं। इस सिद्धांत के अनुसार कुछ स्थायी संस्थाएँ जैसे नौकरशाही, खुफिया एजेंसियाँ, वित्तीय नेटवर्क या कॉरपोरेट समूह राजनीतिक नेतृत्व बदलने के बावजूद नीति की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। कई देशों में इस अवधारणा पर गंभीर बहस हुई है। कुछ विश्लेषकों के अनुसार यह केवल राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है, जबकि अन्य का मानना है कि आधुनिक राज्य-व्यवस्था में स्थायी संस्थागत शक्ति वास्तव में मौजूद रहती है। यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि आधुनिक विश्व-राजनीति एक बहुस्तरीय शक्ति संरचना से निर्मित होती है। इसमें निर्वाचित सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, वित्तीय नेटवर्क, कॉरपोरेट पूँजी, प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और कभी-कभी खुफिया तंत्र तक शामिल होते हैं। एपस्टीन प्रकरण ने इस व्यापक संरचना पर ध्यान आकर्षित करने का काम किया, क्योंकि उसके सामाजिक संबंधों ने यह प्रश्न उठाया कि वैश्विक अभिजात वर्ग के नेटवर्क किस प्रकार कार्य करते हैं और वे किस हद तक पारदर्शी या जवाबदेह हैं। फिर भी गंभीर अध्ययन का दृष्टिकोण संतुलित होना चाहिए। सभी वैश्विक संस्थाओं या नेटवर्कों को किसी एक गुप्त षड्यंत्र के रूप में देखना उतना ही गलत है जितना उनके प्रभाव को पूरी तरह नकार देना। वास्तविकता अक्सर इन दोनों के बीच कहीं स्थित होती है। वैश्विक शासन-व्यवस्था में शक्ति का वितरण जटिल है और इसमें सहयोग, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक हित और राजनीतिक रणनीति सभी एक साथ काम करते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि आधुनिक विश्व व्यवस्था को समझने के लिए केवल राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन पर्याप्त नहीं है। इसके लिए उन अंतरराष्ट्रीय मंचों, वित्तीय संस्थाओं, कॉरपोरेट नेटवर्कों और सामाजिक प्रभाव-समूहों का भी अध्ययन करना आवश्यक है जो वैश्विक स्तर पर निर्णयों को प्रभावित करते हैं। एपस्टीन विवाद, दावोस सम्मेलन, बिल्डरबर्ग बैठकें और वैश्विक वित्तीय संस्थाएँ ये सभी उस व्यापक विमर्श के विभिन्न पहलू हैं जिसे आज ग्लोबल एलीट नेटवर्क या वैश्विक शक्ति संरचना के रूप में समझने का प्रयास किया जा रहा है। यह अध्ययन न केवल राजनीति और अर्थशास्त्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि

मध्य प्रदेश में ग्राम सभाओं से सशक्त होंगी महिलाएं

प्रद्युम्न शर्मा

> **'राज्य सरकार ने इस विशेष प्रसंग के अवसर पर प्रतिवर्ष प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया है। इन ग्राम सभाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा करना और स्थानीय स्तर पर ठोस निर्णय लेना है।**

हर वर्ष आठ मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के अधिकारों, समानता और सम्मान के संघर्ष का प्रतीक है। यह दिन समाज को यह याद दिलाने का अवसर भी है कि महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण के बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। इसी सोच को व्यवहार में उतारने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य सरकार ने इस विशेष प्रसंग के अवसर पर प्रतिवर्ष प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया है। इन ग्राम सभाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा करना और स्थानीय स्तर पर ठोस निर्णय लेना है। मध्यप्रदेश में पंचायत व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। ग्रामीण स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए न्यूनतम पचास प्रतिशत पदों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है। वर्तमान त्रिस्तरीय पंचायतों के पंचवर्षीय कार्यकाल में निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधियों का प्रतिशत पचास से भी अधिक, लगभग बावन प्रतिशत है। यह स्थिति दर्शाती है कि पंचायत व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे अब केवल औपचारिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं को सार्थक और प्रभावी बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी इन्हीं महिला पंचायत प्रतिनिधियों के कंधों पर है। यदि वे सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाती हैं, तो ग्राम स्तर पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति संभव है। यदि हम एक नजर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डालें तो इसका इतिहास महिलाओं के अधिकारों के संघर्ष से जुड़ा हुआ है। बीसवीं सदी के प्रारंभ में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में महिला श्रमिकों ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किए थे। इन आंदोलनों का मुख्य उद्देश्य कार्य के बेहतर घंटे, उचित पारिश्रमिक और समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता को समाप्त करना था। धीरे-धीरे यह आंदोलन वैश्विक स्तर पर फैल गया और महिलाओं के अधिकारों की आवाज मजबूत होती गई। वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया और उसी वर्ष आठ मार्च को आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। तब से यह दिन दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। पंचायतों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के बावजूद एक महत्वपूर्ण प्रश्न अक्सर सामने आता है कि क्या महिला पंचायत प्रतिनिधि वास्तव में स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों और कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं। कई स्थानों पर महिलाएं सक्रिय रूप से पंचायत के कार्यों में भाग ले रही हैं और विकास योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, किंतु कुछ जगहों पर अभी भी ऐसी स्थिति देखने को मिलती है जहां महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिवार के पुरुष सदस्य पंचायत के निर्णय लेते हैं और कार्यों का संचालन करते हैं। इसे प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व कहा जाता है। यह स्थिति महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण में बाधा उत्पन्न करती है। इसलिए महिला पंचायत प्रतिनिधियों का क्षमता संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। उन्हें योजनाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और कानूनों की जानकारी देकर आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना जरूरी है। महिला सशक्तिकरण के लिए समाज की सक्रिय भूमिका भी आवश्यक है। महिलाओं की शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना समय की मांग है। आज महिला साक्षरता पहले की तुलना में काफी आगे बढ़ी है, किंतु सिर्फ साक्षरता ही पर्याप्त नहीं। महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसर और सामाजिक सम्मान मिलना भी जरूरी है। साथ ही पारंपरिक सामाजिक सोच और पुरुषों के अनावश्यक हस्तक्षेप को भी कम करना होगा, ताकि महिलाएं स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम बन सकें। ग्राम सभाएं ग्रामीण लोकतंत्र की आधारशिला मानी जाती हैं। यही वह मंच है जहां गांव के विकास से जुड़े निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित विशेष ग्राम सभाएं महिलाओं के मुद्दों पर चर्चा करने का एक प्रभावी मंच बन सकती हैं। इन सभाओं में महिला पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ गांव की अन्य महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की समस्याओं, आवश्यकताओं और संभावनाओं पर भी खुलकर चर्चा की जा सकती है। इससे स्थानीय स्तर पर समाधान खोजने और महिलाओं के हित में ठोस निर्णय लेने का अवसर मिलता है। इन विशेष ग्राम सभाओं को प्रेरणादायक और परिणामकारी बनाने के लिए कई सकारात्मक पहलें की जा सकती हैं। गांव में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को सम्मानित किया जा सकता है, जिससे अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इसके अलावा महिलाओं की आजीविका, कौशल विकास और शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की जा सकती है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान से जुड़े मुद्दों पर भी ग्राम स्तर पर महत्वपूर्ण संकल्प लिए जा सकते हैं। ग्राम सभाओं की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि गांव की अधिक से अधिक महिलाएं इसमें भाग लें। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ग्राम सभा के आयोजन की सूचना गांव की सभी महिलाओं तक पहुंचे। महिला स्वसहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ये समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन ग्राम सभाओं में महिलाओं को उनके अधिकारों से जुड़े कानूनों की जानकारी देना भी अत्यंत आवश्यक है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 और कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक बनाया जा सकता है। इसके साथ-साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नारी सशक्तिकरण मिशन और वन स्टॉप सेंटर जैसी सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी जा सकती है। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार इन ग्राम सभाओं में कई सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। इनमें बाल विवाह की रोकथाम, किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य और पोषण, धात्री माताओं की देखभाल, एनीमिया से पीड़ित महिलाओं और किशोरियों के उपचार तथा व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

> **नीतिश कुमार को लंबे समय से सुशासन पुरुष के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया।**

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय? नीतिश कुमार को लंबे समय से सुशासन पुरुष के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है। नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे जनादेश के साथ खिलवाड़ और राजनीतिक समझौते की राजनीति करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है। बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है। आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं-एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है। बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा।

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। सांसद पुष्पेंद्र सरोज जी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान सांसद ने गत बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं में लक्ष्य सापेक्ष प्रगति लाई जाय। जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराई जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की बैठक शीघ्र आहूत किया जाय एवं बैठक में माननीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि निर्माणाधीन सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाय। सांसद ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी,जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी व जिला प्रोबेशन अधिकारी से कहा कि कैम्प लगाकर प्रचार-प्रसार कराते हुए पेंशन योजना के लाभ से वंचित रह गए लोगों को लाभान्वित किया जाय। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान परियोजना अधिकारी ने कहा कि जनपद में आवास प्लस सर्वेक्षण के अंतर्गत 56202 लोगों को चिन्हित किया गया है व शासन से धनराशि प्राप्त होते ही पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाएगा, जिस पर मा.सांसद ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि आवास का लाभ दिलाने के नाम पर किसी व्यक्ति से पैसे लेने की शिकायत न प्राप्त होने पाये। सांसद ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत एकीकृत धान विकास कार्यक्रम, किसान पाठशाला, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन व खेत तालाब योजना आदि की समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक से कहा कि विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाय जिससे अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सके। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि इस योजना के अंतर्गत किए गए कार्यक्रमों का विवरण,उन्हें उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक समय से उपस्थित होकर मरीजों को देखें।

सांसद ने सहायक अभियंता जल निगम से कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों को शीघ्र मोटरेबल करा दिया जाए। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को राजकीय विद्यालय,पिंडरा सहावनपुर में विद्युतीकरण का कार्य कराए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि ट्रिपल आर. योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का चयन कर प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाय जिससे आमजन को लाभ मिल सके। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि अवशेष रह गये पात्र लोगों को व्यक्तिगत शौचालय से लाभान्वित किया जाए एवं सामुदायिक शौचालयों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करा लिया जाय। बैठक में सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा के दौरान एल.डी.एम. ने कहा कि जनपद में 25104 लाभार्थी है, जिस पर मा.सांसद ने कहा कि इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए,ताकि अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके। उप कृषि निदेशक ने बताया कि परम्परागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत भौतिक लक्ष्य 1000 एकड़ के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति एवं 16000 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर के माध्यम से कृषक़ टोल फ्री नंबर 1551 पर दूरभाष द्वारा कृषि से संबंधित समस्याओं के निदान की जानकारी कृषि विशेषज्ञों से प्राप्त कर सकते है। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश अटल भूजल योजना के अंतर्गत जनपद के क्रिटिकल एवं अतिदोहित विकासखंड चायल व मूरतगंज, प्रत्येक में 650 वर्ग मीटर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली एवं एक-एक मध्यम गहरे पीजोमीटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिला पंचायतराज अधिकारी ने कहा कि समस्त ग्राम पंचायत सचिवालय में सी.एस.सी. केंद्र संचालन के लिए विभिन्न माध्यमों तथा वाई-फाई उपकरण से इंटरनेट को एक्सेस करते हुए जनसेवा केंद्र की सुविधाओं से आमजन को लाभान्वित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा में सफल छात्रा काजल सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर असवां की कक्षा 8 की छात्रा काजल को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने पर शुक्रवार को विद्यालय परिसर में सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पंचवटी पांडेय ने छात्रा को माला पहनाकर व उपहार भेंट कर उसका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका पंचवटी पांडेय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि लगन, मेहनत और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि वे मन लगाकर पढ़ाई करें तो निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा में सफल होने के बाद छात्रा काजल को सरकार की ओर से आगे की पढ़ाई के लिए कक्षा 12 तक प्रति माह एक हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। सम्मानित छात्रा काजल ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय की शिक्षिकाओं तथा अपने माता-पिता को दिया। इस अवसर पर शिक्षिका श्वेता चौधरी, रीना तिवारी, शालिनी सिंह सहित विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

यमुना में डूबे युवक का 33 घंटे बाद भी नहीं लगा सुराग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। भैया दूज के अवसर पर यमुना स्नान के दौरान डूबे युवक का 33 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है।प्रशासन,एसडीआरएफ टीम और स्थानीय गोताखोर लगातार नदी में तलाश अभियान चला रहे हैं, लेकिन अभी तक युवक का पता नहीं चल पाया है। कानपुर नगर जिले के सजेती थाना क्षेत्र के किशोरपुर गांव निवासी अभय कुमार (19) पुत्र रामखेलावन गुरुवार सुबह अपने साथियों के साथ यमुना स्नान करने आए थे।उनके साथ विवेक कुमार समेत करीब दस युवक मौजूद थे।बताया जाता है कि बारा घाट पर अधिक भीड़ होने के कारण सभी युवक पीपे का पुल पार कर बांदा जिले के जसपुरा थाना क्षेत्र की सीमा में स्थित गलौली-बारा घाट के पास स्नान करने लगे।स्नान के दौरान अचानक अभय कुमार और विवेक कुमार गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। यह देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद नाविकों ने तुरंत नदी में छलांग लगाकर बचाव कार्य शुरू किया और काफी प्रयास के बाद विवेक कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि अभय कुमार तेज धारा में बहकर लापता हो गया।घटना की सूचना मिलते ही जसपुरा पुलिस एवं जाफरगंज पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।गुरुवार शाम तक स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कराई गई,लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।शुक्रवार को भी तलाश अभियान जारी रहा। थाना प्रभारी ऋषि देव सिंह ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम प्रभारी अजीत भारती के नेतृत्व में करीब 15 सदस्य लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।टीम अब तक करीब 12 किलोमीटर तक नदी में खोजबीन कर चुकी है,लेकिन 33 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है।बताया जा रहा है कि लापता अभय कुमार अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा है।उसकी मां ममता, छोटा भाई निर्भय और बहन आस्था हैं।

ग्रामीणों का क्रमिक अनशन रहा जारी

बबेरू/बांदा। ग्राम पंचायत पल्हरी मे पात्र व्यक्तियो को प्रधानमंत्री आवास का सर्वे न करने से नाराज ग्रामीणों ने तहसील प्रांगण मे क्रमिक अनशन 18 वे दिन भी जारी रहा। ग्राम पंचायत पल्हरी गांव के ग्रामीण बसन्त लाल के नेतृत्व मे आधा सैकडा ग्रामीणों ने तहसील प्रांगण मे 18 वे दिन भी क्रमिक अनशन ग्रामीण बैठे रहे प्रधानमंत्री आवास में सर्व नहीं किया गया उनका तत्काल सर्वे व सत्यापन किया जाए जिन अपात्र व्यक्तियो का सर्वे व सत्यापन किया गया है उनकी जांच कराकर आवास सूची से नाम हटाए जाएं प्रधानमंत्री आवास में अपात्र लोगों का सर्वे व सत्यापन करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए हमारी समस्या का समाधान नही किया जाता तब तक अनशन जारी रहेगा। इस दौरान रामचन्द्र रामबाबू जगदीश मुहम्मद खाँ शिवप्रसाद आशीष बाबूलाल सुमन देवी शोभा सुनीता रमकलिया अवधेश बच्चा प्रसाद सहित आधा सैकडा ग्रामीण मौजूद रहे।

जसपुरा से गूँजा गांव-गांव, पांव-पांव पदयात्रा का शंखनाद

- राजा बुंदेला और जयराम सिंह बछेउरा के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा का भव्य शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के संकल्प को लेकर आज जनपद बांदा के जसपुरा कस्बे से षांव-गांव, पांव-पांवष पदयात्रा का भव्य शंखनाद हुआ। बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा राजा बुंदेला और वरिष्ठ समाजसेवी व सह-नेतृत्वकर्ता जयराम सिंह बछेउरा की अगुवाई में निकली इस यात्रा ने पहले ही दिन जन-जन में जोश भर दिया।यात्रा की शुरुआत में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राजा बुंदेला ने नारा दियाकृ षबुंदेलखंड की धरती हो, बुंदेलखंड में भर्ती हो।ष उन्होंने कहा कि इस षांव-गांव, पांव-पांवष यात्रा का मुख्य लक्ष्य बुंदेलखंड के युवाओं को उनके घर में ही रोजगार दिलाना और पलायन को रोकना है। अलग राज्य बनने से यहाँ के संसाधनों पर स्थानीय लोगों का अधिकार होगा और विकास की गति तेज होगी।वरिष्ठ समाजसेवी व सह-नेतृत्वकर्ता जयराम सिंह बछेउरा ने पदयात्रा की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए कहा कि हम पैदल चलकर हर घर और हर चौपाल तक पहुंचेंगे। उन्होंने आह्वान किया, अब रुकने का समय नहीं है, यह यात्रा जसपुरा के हर गांव में जनसमर्थन जुटाकर बुंदेलखंड के सपने को साकार करेगी। इस अवसर पर झारखंड राज्य निर्माण के प्रमुख व पूर्व सांसद बसूरज मंडल, भारतीय किसान यूनियन के प्रताप सिंह बुंदेला, बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा (दिल्ली) के प्रदेश अध्यक्ष राजन धमेरिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष (बांदा) विनोद जैन, एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश द्विवेदी ने भी आंदोलन को धार दी। यात्रा में प्रवीण पांडेय (बुंदेलखंड राष्ट्र समिति), अशोक तपस्वी, विनीता पाण्डेय (गौ सेवा), रिटायर्ड कैप्टन बी.एस. बाबेल, डा. आश्रय सिंह (राष्ट्रीय संयोजक, बुंदेली सेना), सोनू सिंह (जिलाध्यक्ष, जालौन), और यात्रा प्रबंधक नीरज निगम प्रमुख रूप से शामिल रहे। स्थानीय स्तर पर यात्रा का प्रबंधन डा. चंद्रपाल सिंह (यात्रा प्रमुख, महुवा ब्लाक), प्रगति कुमार श्रीवास्तव (यात्रा प्रमुख, महुवा ब्लॉक) , संतोष श्रीवास्तव (यात्रा सह प्रमुख बांदा शहर), और प्रभारी संतोष गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में भानू मिश्रा (यात्रा प्रमुख शहर बांदा), संजय लश्करी, भरत बाबू गुप्ता, आशुतोष सिंह, राकेश (यात्रा प्रमुख जसपुरा ब्लॉक) बाजपेई, धनंजय सिंह (यात्रा प्रमुख जसपुरा ब्लॉक), शैलेंद्र सिंह सोनू, पुष्पेंद्र सिंह चुनाले, रघुराज प्रताप सिंह, राजू प्रधान, तोप सिंह प्रधान, राजेश सिंह लुकतरा, एस.के. सी जी, शिवनंदन सिंह, अरविंद सिंह, नरोत्तम दास महाराज जी, राजवीर सिंह, दिनेश सिंह, और विजय बहादुर सिंह परिहार समेत सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

बबेरू कोतवाली में हुई कपड़ा फाड़ होली

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली परिसर में होली के दूसरे दिन गुरुवार को सुबह 10रू00 बजे से दोपहर 1;30 बजे तक जबरदस्त होली खेली गई, जिसमें कोतवाली का समस्त स्टाफ, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजावत, उप निरीक्षक रामेंद्र सिंह, देवीदीन, अरविंद कुमार सिंह, सहित सभी हेड कांस्टेबल कांस्टेबल के द्वारा जबरदस्त होली खेली गई, जिसमें आए हुए अतिथियों के साथ भी होली के अवसर में अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दिया, वहीं इस होली के हुड़दंग में डीजे की धुन पर कोतवाली का समस्त स्टाफ जमकर झूमें जिसमें कोतवाली के स्टाफ के साथ-साथ पत्रकार भी शामिल हुए, और एक दूसरे के गुलाल रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दिया, फिर अंतिम चरण में सभी स्टाफ के लोगों ने एक दूसरे के कपड़े तक फाड़ डालें, और कपड़ा फाड़ होली पर खूब डीजे की धुन पर ठुमके लगाए।

खदान संचालक ने किसानों की खेती को बनाया निशाना और जबरन कर रहे हैं परिवहन

- मरौली खंड 4 के संचालक द्वारा किया जा रहा है जबरन परिवहन, डीएम से की शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मोरंग खदान संचालक का आतंक रुकने का नाम नही ले रहा है जिसके चलते बेचारे किसान इधर उधर भटक रहे हैं और मोरंग खदान संचालक अपनी मन मानी से बीच खेत से जबरन मोरंग भरे हुए ट्रकों का परिवहन कर रहे हैं ⁃ मामला मरौली गाँव का है जहां के रहने वाले किसान नत्थू पुत्र मंगलिया,राम मूअर्ट पुत्र रामसेवक और बच्चा पुत्र मेदवा और भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष बलराम तिवारी सहित जिला अधिकारी के यहाँ शुक्रवार को शिकायती पात्र देकर बताया की मरौली खंड संख्या 4 मोरंग खदान के संचालक द्वारा जबरन हमारे खेत से मोरंग भरे हुए ट्रकों का परिवहन कर रहे हैं और जब हम लोग रोकते हैं तो हमें बंदूक के बल पर गाली गलौज और मारने की धमकी देते हैं ⁃ वही किसानों ने बताया की हमारी खेती में जो फसल लगी हुयी है उसको भी मोरंग खदान संचालक नष्ट कर रहे हैं अब ऐसे में हमारी फसल बर्बाद हो जायेगी तो हम लोग तो भूखे ही मर जायेंगे ⁃ लेकिन जब शिकायती पत्र दिया जा रहा अथा तो उस समय डीएम कार्यालय में मौजूद नही थी जिसको लेकर शिकायती पात्र को सिटी मजिस्ट्रेट को दिया गया है वही सिटी मजिस्ट्रेट ने जांच कर कार्यवाही करने का आश्वाशन दिया है वही मौजूद किसानों ने कहा की अगर सोमवार तक हमारी फसल बर्बाद होने से नही बचाया जाता और हमारे खेत से हो रहे परिवहन को नही रोका जाता तो हम लोग आन्दोलन करने को मजबूर हो जायेंगे।

20 दिन पहले मोरंग भरे ट्रक ने तोड़ा पुल, कभी भी हो सकता है हादसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला प्रशासन के अपील के बाद भी निकल रहे क्षतिग्रस्त पुल से वाहन मौत को दावत देकर निकल रहे ट्रक और भारी वाहन,पुल से न निकलने के लिए कोई भी सिपाही नहीं है पुल के ऊपर कोई तैनात जिसके चलते क्षति ग्रस्त पुल पर कोई रोक नही लग रही है की वाहन कोई न निकाले ⁃ मामला बांदा नरैनी सतना मार्ग का है जहां पर गिरवा चौराहे पर बने नहर पुल को ट्रक ने तोड़ दिया था जिसको लेकर एसपी ने आवागमन बंद करवा दिया था लेकिन इसके बाद भी उसी क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन शुरू है। लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा भी एसपी के आदेश का पालन कराने को लेकर कोई भी सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया है। मामला गिरवा थाने के गिरवा चौराहे का है जहां पर 14 फरवरी की रात्रि को मोरंग भरे ओवर लोड ट्रक ने बांदा नरैनी राज्य मार्ग पर गिरवा में बने नहर को पुल को तोड़ दिया था जिससे ट्रक नहर में गिर गया था और उसके बाद बड़ी मशक्कत से ट्रक को बाहर निकाला गया था इसके बाद भी एसपी पलास बंसल द्वारा अग्रिम आदेशों तक उस पुल में आवागमन बंद करवा दिया था लेकिन इसके बाद भी गिरवा पुलिस द्वारा उस पुल से निकल रहे वाहनों को रोका नहीं जा रहा है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है जबकि इसी पुल से मोरंग,गट्टी और भी भारी वाहनों का आवागमन होता है लेकिन वाहनों को रोकने के बजाय वहां से वाहनों का आवागमन धड़ल्ले से कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दुकान की दीवार ढहाकर चोरी और धमकी देने का आरोप

शुक्लागंज। कानपुर नगर के सीसामऊ निवासी दीपक कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में दुकान की दीवार ढहाकर चोरी और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, शुक्लागंज के गुप्ता मार्केट में उनकी कुर्सी, मेज, अलमारी और फर्नीचर की दुकान है। आरोप है कि होली की परेवा के दिन उसी मार्केट में रहने वाले एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दुकान के पिछले हिस्से, जो होटल की ओर है, की दीवार गिरा दी। इसके बाद आरोपियों ने दुकान के अंदर रखा कीमती सामान और करीब 5 से 6 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि अगले दिन जब वह दुकान पहुंचे तो दीवार टूटी देखकर हैरान रह गए। आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने गंगाघाट थाने में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने एसपी कार्यालय और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सामान की बरामदगी की मांग की है।

7 और 8 मार्च को होगा भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी, जनपद उन्नाव द्वारा 7 और 8 मार्च 2026 को जिले के विभिन्न मंडलों में दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' का आयोजन किया जाएगा। ल्लकार्यकर्ता निर्माण से राष्ट्र निर्माणङ्क की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपेक्षित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित इस महाअभियान के तहत विभिन्न विधानसभाओं के प्रमुख स्थलों पर प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा, सेवा कार्यों तथा आगामी कार्यक्रमों के संबंध में कार्यकर्ताओं को विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत बांगरमऊ विधानसभा के गंजमुरादाबाद मंडल का प्रशिक्षण विशाल गेस्ट हाउस में, सफीपुर विधानसभा के सफीपुर मंडल का प्रशिक्षण कालिंदी इंटर कॉलेज में आयोजित होगा। वहीं उन्नाव सदर विधानसभा के सरोसी व मसवासी मंडल का प्रशिक्षण सिया कॉन्टिनेंटल, उन्नाव में कराया जाएगा। इसी प्रकार भगवंतनगर विधानसभा के बदरका एवं सि0 कर्ण मंडल का प्रशिक्षण परिमल वाटिका, सि0 कर्ण में तथा पुरवा विधानसभा के पुरवा मंडल का प्रशिक्षण सूर्यप्रताप डिग्री कॉलेज, डेला में संपन्न होगा। जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बताया कि इन प्रशिक्षण शिविरों का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और कार्यप्रणाली से बेहतर तरीके से परिचित कराना है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय पर अपने-अपने प्रशिक्षण स्थलों पर पहुंचकर प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की।

यमुना नदी के किनारे पेड़ पर लटकता मिला शव जांच में जुटी पुलिस

बबेरू/बांदा।कमासिन थाना क्षेत्र के जोरावरपुर गांव के यमुना नदी के किनारे एक पेड़ मे युवक का शव फांसी पर लटकता मिला, मौके पर पहुंची पुलिस जाँच मे जुट गई है। बबेरू तहसील क्षेत्र अंतर्गत कमासिन थाना क्षेत्र के जोरावरपुरा गांव में गुरुवार की दोपहर यमुना नदी के किनारे एक पेड़ पर करीब 21 वर्षीय युवक का शव रस्सी से लटकता हुआ मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर कमासिन थाना पुलिस पहुंची, और जांच पड़ताल में जुड़ गई युवक की पहचान अशोक कुमार यादव पुत्र राजेश कुमार यादव उम्र करीब 21 वर्ष निवासी कठार का बताया गया है। वही सूचना मिलते ही परिजन भी पहुंच गए, जैसे ही परिजनों ने देखा तो कोहराम मच गया, वहीं पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से निकालकर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये मेडिकल कॉलेज बांदा भेज दिया है. जानकारी के मुताबिक मृतक युवक अपने दोस्त के साथ गया था।

एटीएम तोड़कर नकदी चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

- सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे डालकर किया था एटीएम को निष्क्रिय, औजार और नकदी बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने एटीएम तोड़कर नकदी चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए औजार और चोरी के कुछ रुपये बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं।

भारतीय स्टेट बैंक के मैनेजर ने 5 मार्च को पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 3 मार्च की भोर में अज्ञात चोरों ने एटीएम बूथ को निशाना बनाया। शातिरों ने सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे डालकर उसे निष्क्रिय कर दिया और इसके बाद एटीएम मशीन के कैश डिस्पेंसर बॉक्स को तोड़कर 49,500 रुपये निकाल लिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। शुक्रवार 6 मार्च को उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दो आरोपियों मेहुल (निवासी शुक्लागंज) और अरविंद अवस्थी (निवासी घाटमपुर, कानपुर नगर) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक पेंचकस, एक प्लास और 10,200 रुपये नगद बरामद हुए।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए वार्डों में कीटनाशक छिड़काव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज। शुक्रवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में सफाई कर्मचारियों की टीम ने नगर के वार्ड संख्या 1 से लेकर वार्ड 28 तक की विभिन्न गलियों और मोहल्लों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया। अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण अचानक मच्छरों की संख्या बढ़ गई है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। जनता के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह अभियान शुक्रवार से शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि अब यह अभियान रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन सभी वार्डों में चलाया जाएगा। पालिका प्रशासन का उद्देश्य नियमित छिड़काव के माध्यम से मच्छरों के प्रजनन को रोककर उनके प्रकोप को नियंत्रित करना है। स्थानीय निवासियों ने पालिका प्रशासन के इस कदम की सराहना की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का भव्य स्वागत

- बंथर चौराहा पर ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन, सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शाल व प्रतीक चिन्ह भेंट किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के जनपद आगमन से पहले लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित बंथर चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को शाल, पुस्तक और प्रतीक चिन्ह भेंट कर तथा बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख बिछिया नीरज गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल, मंडल अध्यक्ष नगर अवनीश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष शुक्लागंज सुरेश शुक्ला, प्रधान राजू अवस्थी, राधेश्याम शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में जमकर नारेबाजी की।

गूँजी फाग की धुन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया भव्य होली मिलन समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुंभी खंड द्वारा भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। गोला नगर के लखीमपुर रोड स्थित सिद्धि विनायक पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संघ की परंपरा के अनुसार अनुशासन और आत्मीय वातावरण में हुई। इस दौरान उपस्थित स्वयंसेवकों और अतिथियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल का टीका लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। फाग और पारंपरिक होली गीतों की धुन पर पूरा माहौल उल्लास और भाईचारे से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर वक्ताओं ने

होली के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व समाज में प्रेम, सौहार्द और समरसता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि होली हमें आपसी भेदभाव भुलाकर एकजुट होकर समाज और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में जुटने की प्रेरणा देती है। कुंभी खंड के पदाधिकारियों ने स्वयंसेवकों से समाज को संगठित करने और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता, कुंभी खंड की टोली के सदस्य तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई, जहां लोगों ने आपसी गिले-शिकवे भुलाकर गले मिलकर होली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर विजय वर्मा, कौशल जी, दुष्यंत जी, क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी, नगर प्रचारक अभिषेक कुमार, अशोक जोशी सहित नगर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पेट्रोल–डीज़ल की कमी की खबरें झूठी, जमाखोरों पर कार्रवाई की चेतावनी

अज़ान खीरी। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही पेट्रोल-डीज़ल की कमी और कीमतों में भारी बढ़ोतरी की अफवाहों पर थाना हैदराबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। थाना प्रभारी सुनील मलिक ने जिला प्रशासन की ओर से जारी ऑडियो संदेश के माध्यम से आम जनता से अपील की है कि वे ऐसी भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर यह संदेश तेजी से प्रसारित हो रहा था कि खाड़ी देशों में चल रहे संघर्ष के कारण भारत में पेट्रोल-डीज़ल का स्टॉक खत्म हो सकता है, जिससे कीमतें अचानक बढ़ सकती हैं। इन खबरों से लोगों में अनावश्यक चिंता और घबराहट का माहौल बनने लगा था। थाना प्रभारी सुनील मलिक ने स्पष्ट किया कि ऐसी सभी खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। उन्होंने कहा, ल्लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर पेट्रोल-डीज़ल का अतिरिक्त भंडारण न करें। देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनी हुई है।

मितौली कस्बे में मारपीट, दो गंभीर घायल, मितौली पुलिस पर लगाया पक्षपात का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। कस्बा मितौली में मारपीट में चोटिल पीड़ित परिवार ने मितौली पुलिस पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने के आरोप लगाए हैं। न्याय के लिए उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र लिखा है।

पूरा मामला लखीमपुर खीरी जनपद के मितौली थाना क्षेत्र मितौली कस्बे का है जहां की निवासी तानों विधवा पत्नी कासिम का बच्चो की लैट्रीन करने को लेकर कुछ विवाद हो गया था जिसमें महिला का आरोप है कि आकाश पुत्र लाखन नदीन पुत्र सरफू आमीन पुत्र सरफू, लाखन पुत्र अहमद, प्रार्थिनी के घर पर एक राय होकर लाठी डण्डा व आकाश लोहे की राड लेकर आये और महिला को मारने पीटने लगे। महिला के शोर मचाने पर शेर अली दामाद रहीसा पत्नी शेर अली कलाम पुत्र कमाल नाती, बचाने आये तो विपक्षी गण ने उन्हे भी मारा पीटा। विपक्षी गण की मार पीट से महिला व उसके दामाद

शेर अली, नाती कलाम, पुत्री रहीसा को काफी चोटे आयी है। महिला के सिर पर काफी चोटे आयी है तथा शेर अली का पैर टूट गया है तथा रहीसा के कमर पर अधिक चोट आयी है। पीड़िता के अनुसार घटना की थाने पर सूचना दिया तो थाने की पुलिस द्वारा साधारण धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता का इलाज जिला अस्पताल मोतीपुर में हुआ तथा हालत गम्भीर होने के कारण लखनऊ रिफर किया गया जहां इलाज हुआ। इलाज के पर्चे प्रार्थना पत्र के साथ सलंग्न है।

पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

बसंतकालीन गन्ना बुवाई को प्रोत्साहित करने हेतु चहलुवा क्रय केंद्र पर कृषक गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल खम्भारखेड़ा के तत्वावधान में नानपारा जोन के क्रय केंद्र चहलुवा पर बसंतकालीन गन्ना बुवाई को प्रोत्साहित करने एवं उन्नत कृषि तकनीकों के प्रसार के उद्देश्य से कृषक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर विशेषज्ञों से आधुनिक खेती की जानकारी प्राप्त की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वी.सी. जादौन ने बसंतकालीन गन्ना बुवाई की उन्नत वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को भूमि एवं बीज शोधन की प्रक्रिया, अधिक उत्पादन प्राप्त करने की आधुनिक तकनीकों तथा फसल संरक्षण के प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से गन्ने की खेती करने पर उत्पादन और आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. वी.सी. जादौन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान बजाज चीनी मिल खम्भारखेड़ा के महाप्रबंधक (गन्ना) पुष्पेंद्र ढाका, सहायक महाप्रबंधक (गन्ना) संजीव कुमार व राज सिंह, क्षेत्रीय प्रभारी मंजीत सिंह तथा प्रगतिशील किसान जगदीश प्रसाद मौर्य, पंजाब सिंह, राज किशोर मिश्रा और संतोष मौर्य सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे कार्यक्रम के अंत में किसानों से बसंतकालीन गन्ना बुवाई अपनाने तथा वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करने की अपील की गई।

8 मार्च को पेराई सत्र समाप्त कर बंद होगी गोला चीनी मिल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड गोला ने 8 मार्च 2026 को पेराई सत्र समाप्त कर चीनी मिल बंद करने की घोषणा की है। इस संबंध में प्रथम मिल बंदी की सूचना सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड को भेज दी गई है। चीनी मिल के यूनिट हेड राकेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मिल क्षेत्र के किसानों के पास आपूर्ति योग्य गन्ना लगभग समाप्त हो चुका है, जिसके कारण चीनी मिल को पर्याप्त मात्रा में गन्ना उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। गन्ने की कमी के चलते पेराई कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि जिन किसानों के पास अभी भी आपूर्ति योग्य गन्ना उपलब्ध है, वे 8 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से अपना गन्ना चीनी मिल को आपूर्ति कर दें, ताकि शेष पेराई कार्य समय से पूरा किया जा सके।

गन्ना किसान से 5000 वसूली के विरोध में किसान संगठन ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आबकारी विभाग के कर्मचारियों द्वारा एक गन्ना किसान से कथित रूप से ?5000 की अवैध वसूली किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन ने उपजिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर मामले की जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि यह घटना 1 मार्च 2026 की है। ग्राम भैंसटा थाना हैदराबाद निवासी किसान मदनलाल के अनुसार वह चीनी मिल गोला में गन्ना आपूर्ति करने गया था। शाम को गन्ना बेचकर जब वह अपने घर लौट रहा था, तभी चीनी मिल के पास डाइवर्जन रोड पर आबकारी विभाग की एक कार खड़ी थी, जिसमें कुछ लोग वर्दी में तथा कुछ सादे कपड़ों में मौजूद थे और कथित रूप से नशे की हालत में थे। किसान का आरोप है कि आबकारी कर्मियों ने उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली रुकवाकर साइड में लगवाया और कार का इंडिकेटर तोड़ने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसे जबरन कार में बैठाकर चीनी मिल परिसर में बने आबकारी कार्यालय ले जाया गया, जहां उससे ?12,000 की मांग की गई और पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में जेल भेजने की धमकी दी गई। पीड़ित किसान का कहना है कि मारपीट और धमकी से भयभीत होकर उसने अपने परिजनों को फोन कर घर से ?5000 मंगवाकर आबकारी कर्मियों को दे दिए, जिसके बाद उसे छोड़ा गया। किसान संगठन ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ज्ञापन देने के दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह भदौरिया, सुरेश चंद्र कनौजिया एडवोकेट, विजेंद्र यादव एडवोकेट, विजय कुमार, अरुण कुमार यादव, लाल बहादुर सिंह यादव एडवोकेट तथा सुरेंद्र कुमार अग्निहोत्री सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

22 दिन बाद भी लापता युवक का सुराग नहीं, परिजनों में आक्रोश

मितौली खीरी। मैगलगंज थाना क्षेत्र के गांव जहाननगर निवासी कालीचरण के लापता होने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। युवक को लापता हुए करीब 22 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लग पाया है। इससे परिजनों में चिंता और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उन्हें लगातार यह कहकर आश्वासन दे रही है कि जल्द ही कालीचरण को ढूंढ लिया जाएगा, लेकिन इतने दिनों बाद भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। इससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। परिवार के लोगों के अनुसार कालीचरण का पड़ोस में रहने वाले एक सरदार के यहां अक्सर आना-जाना था। परिजनों को उसी व्यक्ति पर युवक को लापता करने का संदेह है। उनका आरोप है कि पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति से अब तक कड़ाई से पूछताछ नहीं की गई है। ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते सख्ती से जांच करती तो अब तक मामले का कोई सुराग मिल सकता था।

जम्हौरा में दो दिन में दो खूनी झड़पें एक गंभीर घायल, लखनऊ रेफर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के जम्हौरा गांव में दो दिनों के भीतर हुई दो हिंसक झड़पों से गांव में दहशत का माहौल बन गया है। बुधवार को शुरू हुआ विवाद गुरुवार को फिर उग्र हो गया, जिसमें कई ग्रामीण घायल हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए समय पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

बताया जाता है कि बुधवार को गांव में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस दौरान लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिसमें विजय पांडे के सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों के अनुसार पुलिस की कथित लापरवाही के चलते गुरुवार को एक बार फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इस बार विवाद ने और भी हिंसक रूप ले लिया। झड़प के दौरान ईंट-पत्थर, लाठी-डंडे और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में दिलीप और अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके सिर में गहरी चोटें आई हैं। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम ले जाया गया। जहां दिलीप की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित राजकुमार पुत्र तेजपाल ने थाना नीमगांव में पड़ोस के करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहली घटना के बाद ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की होती, तो दूसरी घटना को रोका जा सकता था इस संबंध में थाना प्रभारी प्रवीर कुमार गौतम ने बताया कि दोनों घटनाओं के संबंध में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन विषय पर वेबिनार का हुआ आयोजन

बांदा। किसान पारम्परिक एवं तकनीकी ज्ञान दोनो का उपयोग कर उत्पादन ही नहीं बल्कि गुणवत्ता,मूल्यवर्धन एवं विपणन में नये-नये नवाचार कर रहे हैं। उपरोक्त उद्गार पीएम ने किसानों के समक्ष व्यक्त किये।कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय बांदा के अन्तर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र में शुक्रवार को ''कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन'' विषय पर पोस्ट बजट बेबीनॉर के आयोजन का सजीव प्रसारण कृषकों, के0वि0के0 एवं विश्वविद्यालय के कर्मियों को दिखाया गया। बेबिनॅार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को भी कृषकों को सुना। पीएम ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं है,वह धरती के सच्चे उपासक भी हैं। उनसे हमे यह सीखना चाहिये कि मिट्टी से सोना कैसे बनाया जाता है। उन्होने कहा कि आज किसान पारम्परिक एवं तकनीकी ज्ञान दोनो का उपयोग कर उत्पादन ही नहीं बल्कि गुणवत्ता, मूल्यवर्धन एवं विपणन में नये-नये नवाचार कर रहे हैं।

तिंदवारी में नासा वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार प्रजापति का हुआ भव्य स्वागत

युवाओं में दिखा खास उत्साह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। -तिंदवारी कस्बे में उस समय उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला, जब अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नासा वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार प्रजापति के आगमन पर अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ, जनपद बांदा की युवा टीम ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने फूलमालाएं पहनाकर और सम्मान स्वरूप अभिनंदन कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह में उपस्थित लोगों ने कहा कि डॉ. अशोक कुमार प्रजापति ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनकी

उपलब्धियां न केवल प्रजापति समाज बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात हैं।

उन्होंने युवाओं को शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। इस अवसर पर महासंघ के जिलाध्यक्ष सुल्तान भाई प्रजापति ने कहा कि समाज के युवाओं को डॉ. प्रजापति की उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तित्व समाज के लिए मार्गदर्शक होते हैं। कार्यक्रम में एडवोकेट रामसेवक प्रजापति, सुधीर कुमार चक्रवर्ती, युवा प्रदेश अध्यक्ष मलखे श्रीवास, कमलाकांत त्रिवेदी, शिवबरन वर्मा सहित अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ उत्तर प्रदेश की टीम के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सभी ने डॉ. अशोक कुमार प्रजापति को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट के आदेश पर छह लोगों को पुलिस ने किया नाम दर्ज

अजान खीरी। थाना हैदराबाद और क्षेत्र के ग्राम सिसावां खुर्द निवासी छोटकऊ सिंह की तरफ से कोर्ट के आदेश पर सिसावां खुर्द निवासी मलिखन सिंह, छोटे सिंह, मानसिंह, अंशु सिंह,शोभित सिंह, एवं दनियारपुर थाना फरधान निवासी राज प्रताप सिंह के विरुद्ध पहले से दर्ज मुकदमे में समझौता कराने, मेड़ तोड़ने, जान से मारने की नीयत से फाफड़ा लेकर दौड़ने का मामला थाना में दर्ज करवाया।

सड़क दुर्घटना में मौत का मामला पत्नी ने दर्द कराया मुकदमा

मैलानी खीरी। थाना मैलानी क्षेत्र के ग्राम सौंखिया निवासिनी ममता देवी ने पति की सड़क दुर्घटना में हुई मौत का मामला हैदराबाद थाना में दर्ज करवाया है। ममता देवी का कहना है कि दिनांक 02 मार्च को उसके पति दुर्वेश कुमार बाइक से सौंखिया से गोला के लिए जा रहे थे।तभी खुटार रोड पर एक ढाबे के पास उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर घायल हो गए थे। बाद में पति की मौत हो गई।

मारपीट का मामला दर्ज किया गया

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम शेरपुर निवासी रामजी तिवारी ने गांव के ही विपक्षी अवधेश कुमार के विरुद्ध गाली गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला थाना में दर्ज करवाया है। आरोप है कि वह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी विपक्षी ने शराब के नशे में उसके साथ गाली गलौज कर लात घूसों एवं लाठी डंडों से मारपीट की है। जिससे उसे चोटे आई हैं।

ई रिक्शा को चार पहिया वाहन ने मारी जोरदार टक्कर ई रिक्शा में सवार दो लोग गया

बबेरू/बांदा।औगासी गांव के पास ई रिक्शा को चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर, ई रिक्शा में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ,जिसमें मैक्केन पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू में भर्ती कराया मरका थाना क्षेत्र के औगासी गांव के पास गुरुवार को ई रिक्शा को चार पहिया वाहन में जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें ई-रिक्शा में सवार चालक अनिरुद्ध पुत्र फुल तिवारी उम्र 35 वर्ष, निवासी अंधाव थाना मरका व महिला उमा देवी पत्नी राम लखन उम्र 50 वर्ष, निवासी अंधाव थाना मरका यह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद अनिरुद्ध की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया है। वहीं महिला उमा देवी का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू में किया जा रहा है।

नमामि गंगे योजना के तहत खोदी सड़क, जनता परेशान

बबेरू/बांदा।कस्बे के सभी मार्गो को नमामि गंगे योजना के तहत सडक तोड़ कर पाइप डालने के लिये खोदा गया मगर तीन माह बीत जाने के बावजूद अभी तक पाइप नही डाले जा रहे सडको से निकल मे लोगो को दिक्कते होती है कस्बे के सभी वार्डो मे जिसमे करूइहा पुरवा राधव थोक सहित नमामि गंगे के तरह पाइप डालने के लिये जगह जगह बीच से सडक खोदी गयी है मगर कई माह होने के बाबजूद आज तक पाइप नही डाले गये और सडक से निकलने पर मुहल्लो के लोगो को रात मे निकलने मे बहुत दिक्कते होती रहती है लोगो को जानकारी नही होती कि गड्ढा है कि नहीं इसके कारण लोग घायल भी होते है शीघ्र विभाग द्वारा पाइप लाइन डालवाये जाने की मॉग किया है ग्रामीण फूलचन्द्र वर्मा पंकज सुरेश सुधीर संतू सहित ग्रामीणो ने शीघ्र पाइप लाइन डलवाए जाने की मांग किया

किसानों की आर्थिक समृद्धि में कारगर साबित होगा फसल अवशेष प्रबंधन : मृदा वैज्ञानिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। फसल अवशेष जलाने से जहां वातावरण प्रदूषित होता है तो वहीं खेत की उर्वरक क्षमता कमजोर पड़ती है। ऐसे में इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ता है। बेहतर फसल उत्पादन के लिए किसान फसल अवशेष प्रबंधन की प्रक्रिया को अपनाएं और इसे अपनी आर्थिक समृद्धि का विकल्प बनायें। यह बातें शुक्रवार को सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कही।

चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा विकासखंड झींझक के गांव मुंडेरा में एक दिवसीय फसल अवशेष

प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि फसल के अवशेष को खेत में आग लगाने से सर्वप्रथम मृदा नमी में कमी एवं मृदा तापमान में बढ़ोत्तरी होती है, जिससे खेत की उर्वरा शक्ति कम होने के साथ-साथ मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों का मानव स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ रहा है एवं कैसे बचा जा सके। इस पर उन्होंने विस्तार से बताया।

इसके बाद किसानों को अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत हैप्पी सीडर/सुपर सीडर से बोये गये खेत का भ्रमण भी कराया। डॉ. खलील खान ने कहा कि किसान साथियों फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं। जैसे उससे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाए जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है। साथ ही फसलों के अवशेषों का खेती में मल्चिंग के रूप में अच्छी तरह से उपयोग कर सकते हैं। अपनी फसल के अवशेषों के खेतों में अति शीघ्र डीकंपोज करने हेतु वेस्ट डी कंपोजर का प्रयोग करें।

शीघ्र ही बुंदेलखंड को पृथक राज्य नहीं बनाया गया तो करेंगे जेल भरो आंदोलन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बुंदेलखंड इंसाफ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए एस नोमानी ने कहा है कि जब तक बुंदेलखंड के सभी माननीय सांसद और विधायक बुंदेलखंड की जनता के साथ रोड पर नहीं उतरेंगे तब तक बुंदेलखंड को एक अलग राज्य (स्वतंत्र राज्य) बनाना बहुत ही मुश्किल होगा। आज बुंदेलखंड क्षेत्र के आर्थिक पिछड़ेपन, भीषण सूखे, पानी की कमी और प्रशासनिक उपेक्षा के कारण जरूरी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में विभाजित यह क्षेत्र खनिज संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद विकास में बहुत ही पीछे है, और एक अलग राज्य बनने से स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग और त्वरित विकास होने की उम्मीद है। इसलिए बुंदेलखंड को प्रथक राज्य बनाना जनहित में बहुत ही आवश्यक है कि आज पूरे प्रदेश में आखिर बुंदेलखंड ही आर्थिक विकास और गरीबी से क्यों जूझ रहा है, क्योंकि यह एक पिछड़ा और सूखे की मार झेलने वाला क्षेत्र हमेशा रहा है, जहाँ ९० प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है और गरीबी रेखा के नीचे यहां के लोग जीवन यापन करने पर मजबूर है, पूरे बुंदेलखंड में पानी और सिंचाई की समस्या हमेशा बनी रहती है, इस क्षेत्र में जल संकट और वर्षा पर निर्भरता के कारण खेती हमेशा प्रभावित होती है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बड़े राज्य होने के कारण बुंदेलखंड के विकास पर देश के आजादी के बाद से आज तक ध्यान नहीं दिया गया है, जो एक चिंता का विषय है आज पूरा प्रदेश बुंदेलखंड के खनिज संसाधन से फल फूल रहा है, यहां तक की बुंदेलखंड में हीरा, लाल रेत जैसे कीमती संसाधन हैं, जिनका उचित प्रबंधन अलग राज्य बनने पर हो सकता है।

फाइनल में भी मैच विजेता पारी खेलना चाहते हैं शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन

एजेंसी

मुंबई। पिछले दो मैच में शानदार पारियां खेलकर भारत को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले संजू सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भी मैच विजेता पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया और इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम चार के मुकाबले में 89 रन की शानदार पारी खेली। सैमसन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने भारत को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने में अपना योगदान दिया। सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सात रन से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''बहुत अच्छा

लग रहा है और यह राहत भरा अहसास है। मैं वास्तव में कुछ वर्षों से अपने देश के लिए ऐसा कुछ करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, ''मैं पूरे धैर्य, कड़े अभ्यास और मानसिक रूप से मजबूत बनकर इंतजार कर रहा था। निश्चित रूप से मुझे खुशी है लेकिन मुझे लगता है कि अभी हमारा काम खत्म नहीं हुआ है। हमें अभी एक कदम और आगे बढ़ाना है और अगर हम उसमें सफल रहे तो सब कुछ सार्थक हो जाएगा। एक और मैच विजेता पारी वाकई बहुत अच्छी रहेगी। सैमसन ने सात छक्के और आठ चौके लगाकर केवल 42 गेंदों में 89 रन बनाए जिससे भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाए। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी लय बनाए रखने के लिए कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई अपनी 97 रन की नाबाद पारी को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''पिछली पारी ने निश्चित रूप से इस पारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं गेंद को बहुत अच्छी टाइमिंग से हिट कर रहा था और अच्छे निर्णय ले रहा था। मैंने सोचा कि अगर आप फॉर्म में हैं, तो आपको इस मैच में भी अपनी टीम के लिए योगदान देना चाहिए। यह वास्तव में मेरे जीवन के सबसे अच्छे पलों में से एक है। सैमसन ने कहा कि आईपीएल सहित कई टी20 मैच खेलने के अनुभव से वह परिपक्त बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं काफी लंबे समय से इस प्रारूप में खेल रहा हूं। मैंने लगभग 300 या 400 (329) टी20 मैच खेले होंगे। मैं पहले नंबर से लेकर छठे नंबर तक खेला हूं। मैंने एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की है। इसलिए मैं जानता हूं की टीम को किस समय में किस चीज की जरूरत है और इस स्तर पर मेरी सटीक भूमिका क्या है। इस स्पष्टता से निश्चित रूप से मनचाहे तरीके से रन बनाने में मदद मिलती है। सैमसन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसे गेंदबाज विरले ही पैदा होते हैं। उन्होंने कहा, ''मैच कांटे की टक्कर का था और वे एक ओवर में 13-15 रन बनाने की कोशिश कर रहे थे। हम जानते थे कि अगर हम मैच को अंत तक ले जाते हैं, तो वे हम पर हावी हो सकते हैं, इसलिए हम मैच को थोड़ा जल्दी खत्म करना चाहते थे।''

अक्षर भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया। अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय। उन्होंने कहा, ''विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है। गावस्कर ने कहा, ''शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं। गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ यह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है। गावस्कर ने इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, ''जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज सदियों में एक बार पैदा होते हैं।

मानसिक रूप से अधिक मजबूत सैमसन अब परिपक्व हो चुका है: शास्त्री

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन के मानसिक दृढ़ता की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस अनुभवी बल्लेबाज ने मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन की जरूरत को समझते हुए अपनी परिपक्वता साबित कर दी है। सलामी बल्लेबाज सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 42 गेंदों में 89 रन बनाकर भारत को गुरुवार को सात रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी। शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, ''मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा। संजू के साथ दिक्कत यह है कि उनके पास हर तरह के शॉट हैं, लेकिन एकाग्रता में कमी है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गया है। जब से वह टीम में आया है तब से किसी ने भी उसकी काबिलियत या प्रतिभा पर शक नहीं किया। लोग इस बात से निराश हैं कि उनके प्रदर्शन में अब तक जो निरंतरता दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिख रही है। लेकिन अब वह परिपक्व हो गया है। फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। सैमसन के सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा की फॉर्म फाइनल से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है। अभिषेक टी20 विश्व कप में सात पारियों में केवल 89 रन ही बना पाए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना है कि भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज को ही मौका देना चाहिए। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए।

भारत के पास हर नंबर पर बेहतरीन बल्लेबाज बुमराह इस समय सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं: ब्रूक

एजेंसी

मुंबई। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए भारत के इस तेज गेंदबाज को 'वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' करार दिया। बुमराह ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के आखिरी ओवरों में सटीक यॉर्करों की बौछार से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हतप्रभ कर दिया। भारत ने यह मैच सात रन से जीता। मौजूदा चैंपियन भारत ने संजू सैमसन की 42 गेंदों में खेली गई शानदार 89 रन की पारी की बदौलत सात विकेट पर 253 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने सात विकेट पर 246 रन बनाए। ब्रूक ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''उनको हराना आसान नहीं है। उनके पास हर नंबर पर बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। उनके पास कुछ बेहद अच्छे बल्लेबाज हैं और वे सटीक

शॉट लगाते हैं। अगर आप थोड़ा सा भी चूक जाते हैं, तो छक्का या चौका लग जाता है। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से हमने उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना हम कर सकते थे और कुछ कैच छूटने से हमें थोड़ा नुकसान हुआ। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में ब्रुक ने तब सैमसन का आसान कैच छोड़ दिया, जब वह 15 रन पर थे। इसकी इंग्लैंड को भारी कीमत चुकानी पड़ी। इंग्लैंड ने हालांकि आखिर तक हार नहीं मानी। एक समय उसे 18 गेंद पर 45 रन की जरूरत थी और जैकब बेथेल (105) क्रीज पर थे। लेकिन बुमराह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 18वें ओवर में केवल छह रन दिए और अपनी सटीक यॉर्कर की जिससे इंग्लैंड के सामने अंतिम दो ओवरों में 39 रन बनाने का असंभव लक्ष्य आ गया। ब्रूक ने बुमराह के बारे में कहा, ''वह बहुत अच्छा गेंदबाज है, शायद इस समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है। वह लंबे समय से बहुत अच्छा गेंदबाज रहा है। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा भारतीयों ने भी शानदार फील्डिंग की, अक्षर पटेल का वह कैच (जिससे ब्रूक आउट हो गए थे) निश्चित रूप से मैंने जितनी भी कैच देखे हैं उनमें से सर्वश्रेष्ठ कैच में से एक था। इसके लिए उनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है। ब्रूक ने कहा कि इंग्लैंड का प्रदर्शन शानदार रहा और वह अपने इस अभियान पर गर्व कर सकता हूं। उन्होंने कहा, ''मुझे निराशा है कि हम फाइनल में नहीं पहुंच पाए लेकिन मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। सच कहूं तो एक कप्तान के रूप में मैं इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकता था।

संक्षिप्त समाचार

चिदंबरम ने जोर्डन वान फोरेस्ट को हराया, गुकेश ने फिर ड्रॉ खेला

प्राग (चेक गणराज्य)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरेस्ट को हराया लेकिन विश्व चैम्पियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव के आठवें दौर में एक बार फिर ड्रॉ से संतोष करना पड़ा । गुकेश को जर्मनी के विंसेंट केमेर ने ड्रॉ पर रोका । टाटा स्टील मास्टर्स चैम्पियन उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराकर एकल बढत बना ली है । वान फोरेस्ट उनसे आधा अंक पीछे हैं और अब टूर्नामेंट में एक ही दौर बचा है । नवारा 4 . 5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अरविंद अब केमेर और ईरान के परहाम एम के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। उजबेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव , अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो अगले स्थान पर हैं। गुकेश ढाई अंक लेकर उनके बाद हैं। चैलेंजर वर्ग में चेक गणराज्य के 16 वर्ष के इंटरनेशनल मास्टर फिनेक वांक्लाव ने भारतीय ग्रैंडमास्टर सूर्यशेखर गांगुली को ड्रॉ पर रोका। भारत की दिव्या देशमुख ने नेमेक जाकिम से ड्रॉ खेला।

अदाणी टोटल गैस ने सीएनजी, पीएनजी की कीमतें स्थिर रखीं, कुछ उद्योगों के लिए आपूर्ति में कटौती

नयी दिल्ली। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) और सीएनजी (सीएनजी) की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित होने के चलते कंपनी ने कुछ बड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति में कटौती लागू कर दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि एटीजीएल की कुल गैस मात्रा का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा घरेलू स्रोतों से मिलता है, जिसकी आपूर्ति सीएनजी उपयोगकर्ताओं और घरेलू रसोई ग्राहकों को की जाती है। वाहन मालिकों और आवासीय घरों के इन खंडों में कीमतें स्थिर रहेंगी। अदाणी समूह और फ्रांसीसी ऊर्जा दिग्गज टोटलएनर्जीज की संयुक्त उद्यम कंपनी एटीजीएल अपनी बाकी 30 प्रतिशत गैस मात्रा आयातित एलएनजी (एलएनजी) के जरिये जरिए से पूरा करती है। इसकी आपूर्ति वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को की जाती है। चूंकि बढ़ते युद्ध ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से जहाजों की आवाजाही को रोक दिया है, इसलिए आयातित ईंधन खंड में व्यवधान देखा गया है। अधिकारी ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में आए इस व्यवधान के कारण वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों को अपनी अनुबंधित मात्रा के मुकाबले 40 प्रतिशत तक खपत कम करने के लिए कहा गया है। ग्राहकों को 40 प्रतिशत की सीमा तक उनकी अनुबंधित दरों पर बिल भेजा जाएगा, जो औसतन लगभग 40 रुपये प्रति मानक घन मीटर है। अधिकारी ने आगे बताया कि इस सीमा से अधिक की खपत पर हाजिर बाजार की दरें लागू होंगी। ये दरें सामान्य समय की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं।

आइकिया का 2027-28 तक मुनाफ़े में आने का लक्ष्य, अगले 4-5 वर्षों में 25 नए स्टोर खोलेगी

नयी दिल्ली। स्वीडन की दिग्गज फर्नीचर खुदरा विक्रेता आइकिया भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक भारत में उसका परिचालन मुनाफ़े में आ जाएगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अगले चार-पांच वर्षों में 25 नए छोटे और मध्यम आकार के स्टोर खोलने की योजना है। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुनाफ़े में आने का लक्ष्य कुल राजस्व बढ़ाकर, अधिक स्टोर खोलकर, स्थाई लागत कम करके और परिचालन दक्षता में सुधार करके हासिल किया जाएगा। कंपनी स्थानीय स्तर पर सोर्सिंग बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक मुनाफ़े में आने का है। इसके लिए आइकिया भारत में कई मोर्चों पर काम कर रही है, जिसमें स्टोर के अनुभव को बेहतर बनाना और ग्राहकों के लिए बेहतर समाधान तैयार करना शामिल है। एंटोनी के अनुसार कंपनी के लिए भारत शीर्ष तीन प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। आइकिया इंडिया का कुल घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1,299.4 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि परिचालन राजस्व 3.33 प्रतिशत घटकर 1,749.50 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने छोटे शहरों में विस्तार के लिए छोटे आकार के स्टोर खोलने का विकल्प चुना है। आइकिया 12 मार्च को पुणे में अपना पहला 'सिटी स्टोर' खोल रही है, जो 32,000 वर्ग फुट में फैला है।

इंडियन वेल्स 2026: वीनस विलियम्स पहले दौर में हारकर बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स का बीएनपी परिबास ओपन 2026, जिसे इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है, में अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सिंगल्स और डबल्स ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था। यह उनके इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद वीनस ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन 23 वर्षीय डायने पैरी (विश्व रैंकिंग 111) ने तीसरे सेट में पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करते हुए आसानी से जीत दर्ज कर ली। यह वीनस विलियम्स की इस टूर्नामेंट में 10वीं उपस्थिति थी और 2024 के बाद उनकी पहली वापसी भी। 2024 में भी वह वाइल्ड कार्ड के जरिए खेलते हुए पहले ही दौर में हार गई थीं। पिछले वर्ष उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। मैच से पहले वीनस ने कहा था, ÷मैं इंडियन वेल्स लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं और कैलिफोर्निया में खेलने के लिए घर वापसी जैसा महसूस कर रही हूं।

वरुण की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय, लेकिन अक्षर ने कहा वह अब भी तुरुप का इक्का

एजेंसी

मुंबई। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के बाद से उनकी फॉर्म में लगातार गिरावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। चक्रवर्ती को टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन करने के बाद अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने की

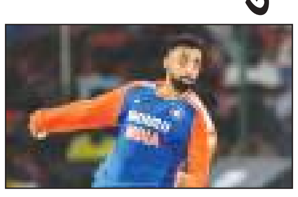

जरूरत होगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में जैकब बेथेल ने चक्रवर्ती को अपने निशाने पर रखा था। इस भारतीय गेंदबाज ने चार ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के उप कप्तान अक्षर पटेल ने हाल ही में चक्रवर्ती से बातचीत की है और इस बात पर जोर दिया कि जब चीजें अनुकूल नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर कायम रहना कितना महत्वपूर्ण है। अक्षर ने कहा, ''हमने चक्रवर्ती की मौजूदा समस्याओं के बारे में बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मैच खेले हैं, इसलिए सही मानसिकता का होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल और बाकी चीजें भी मायने रखती हैं, लेकिन हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो अपनी रणनीति को नहीं बदलें। उन्होंने कहा, ''पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक आप लाइन बदल देते हैं। दबाव वाली परिस्थितियों में गलतियां हो सकती हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए तुरुप का इक्का हो। खुद पर भरोसा रखो और पूरे आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करो। वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया, लेकिन पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए। इंग्लैंड ने चक्रवर्ती के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी और बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने उन्हें किसी भी समय लय हासिल नहीं करने दी।

ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन

लंदन। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

भारत के चीनी उत्पादन का अनुमान 4.4 प्रतिशत घटाकर 2.83 करोड़ टन किया: एआईएसटीए

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने शुक्रवार को प्रतिकूल मौसम का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र के लिए भारत के चीनी उत्पादन अनुमान को पिछले अनुमान 2.96 करोड़ टन से 4.4 प्रतिशत घटाकर 2.83 करोड़ टन कर दिया है। एआईएसटीए ने एक बयान में कहा कि कुल चीनी उत्पादन 3.15 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जिसमें से 32 लाख टन एथनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल किए जाने की संभावना है। अक्टूबर-सितंबर के चालू सत्र में उत्पादन अभी भी 2024-25 में उत्पादित 2.62 करोड़ टन से अधिक रहने का अनुमान है। एआईएसटीए की फसल समिति ने कहा कि इस सत्र में महाराष्ट्र और पड़ोसी कर्नाटक में असाधारण जलवायु चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जहां लगातार बारिश और लंबे समय तक बादल छाए रहने के कारण गन्ने की वृद्धि के महत्वपूर्ण चरणों में बाधा आई। उद्योग निकाय ने कहा कि अक्टूबर में अत्यधिक बारिश के कारण महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में भारी जलभराव हुआ, खेतों में काम रुक गया और फसल पर दबाव पड़ा। देश के शीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के उत्पादन अनुमान को 1.08 करोड़ टन से घटाकर 99.7 लाख टन कर दिया गया है, हालांकि यह 2024-25 में उत्पादित 81 लाख टन से ऊपर बना हुआ है। भारत के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक उत्तर प्रदेश के लिए अनुमान 94.1 लाख टन से घटाकर 91 लाख टन कर दिया गया है, जो पिछले सत्र के 93 लाख टन से थोड़ा कम है।

कर्नाटक: सिद्धारमैया ने पेश किया अपना 17वां बजट, केंद्र पर लगाया अन्याय का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को अपना 17वां बजट पेश करते हुए कहा कि संविधान के अनुसार संघीय शासन व्यवस्था का पालन न करके केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति पर चल रही है, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन में निवेश के साथ ही कल्याणकारी कार्यक्रमों के बीच संतुलन बनाती है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में सबसे आगे है और देश के कर राजस्व में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के लिए रुपया, महंगाई का जोखिम बढ़ा: मूडीज

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्जा की कीमतों में और उछाल आया तो भारत को रुपये पर दबाव, उच्च मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटे (सीएडी) में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। यह जोखिम इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी आयात पर भारत की भारी निर्भरता के कारण है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में भारत उन देशों में प्रमुख है, जो कच्चे तेल और एलएनजी के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं। पश्चिम एशिया में

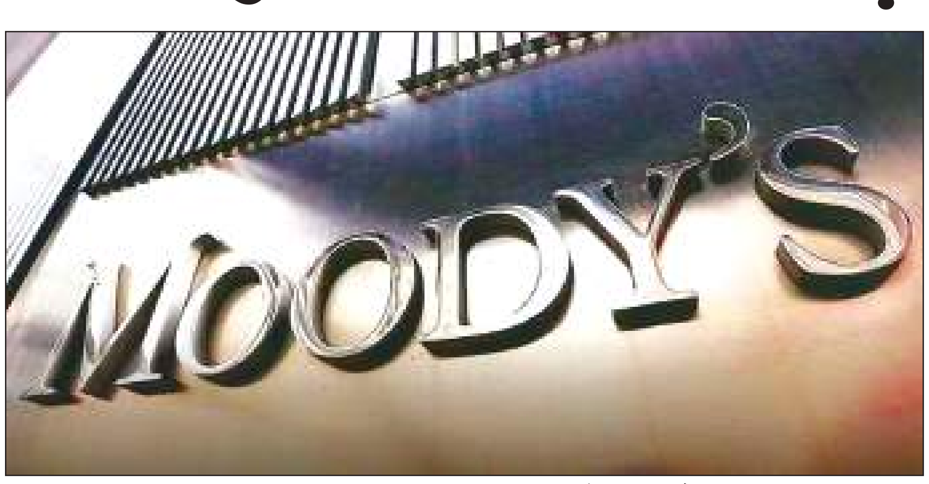

बढ़ते संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी निर्यात के लिए एक प्रमुख मार्ग है। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा, महंगे ऊर्जा आयात से रुपया कमजोर होगा, महंगाई बढ़ेगी, चालू खाता संतुलन बिगड़ेगा और मौद्रिक नीति के साथ ही राजकोषीय प्रबंधन भी जटिल हो जाएगा। मूडीज ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि बुनियादी ढांचे को अभी तक महत्वपूर्ण नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन जलडमरूमध्य के माध्यम से पोत परिवहन काफी हद तक रुक गया है और कुछ क्षेत्रीय बंदरगाहों ने परिचालन निलंबित कर दिया है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि यदि यह व्यवधान कुछ हफ्तों से अधिक समय तक बना रहता है, तो ब्रेंट क्रूड की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

फाइनल में भी मैच विजेता पारी खेलना चाहते हैं शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन

एजेंसी

मुंबई। पिछले दो मैच में शानदार पारियां खेलकर भारत को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले संजू सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भी मैच विजेता पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया और इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम चार के मुकाबले में 89 रन की शानदार पारी खेली। सैमसन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने भारत को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने में अपना योगदान दिया। सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सात रन से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''बहुत अच्छा लग रहा है और यह राहत भरा अहसास है। मैं वास्तव में कुछ वर्षों से अपने देश के लिए ऐसा कुछ करने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा, ''मैं पूरे धैर्य, कड़े अभ्यास और मानसिक रूप से मजबूत बनकर इंतजार कर रहा था। निश्चित रूप से मुझे खुशी है लेकिन मुझे लगता है कि अभी हमारा काम खत्म नहीं हुआ है। हमें अभी एक कदम और आगे बढ़ाना है और अगर हम उसमें सफल रहे तो सब कुछ सार्थक हो जाएगा। एक और मैच विजेता पारी वाकई बहुत अच्छी रहेगी। सैमसन ने सात छक्के और आठ चौके लगाकर केवल 42 गेंदों में 89 रन बनाए जिससे भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाए। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी लय बनाए रखने के लिए कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई अपनी 97 रन की नाबाद पारी को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''पिछली पारी ने निश्चित रूप से इस पारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं गेंद को बहुत अच्छी टाइमिंग से हिट कर रहा था और अच्छे निर्णय ले रहा था। मैंने सोचा कि अगर आप फॉर्म में हैं, तो आपको इस मैच में भी अपनी टीम के लिए योगदान देना चाहिए। यह वास्तव में मेरे जीवन के सबसे अच्छे पलों में से एक है। सैमसन ने कहा कि आईपीएल सहित कई टी20 मैच खेलने के अनुभव से वह परिपक्व बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं काफी लंबे समय से इस प्रारूप में खेल रहा हूं। मैंने लगभग 300 या 400 (329) टी20 मैच खेले होंगे। मैं पहले नंबर से लेकर छठे नंबर तक खेला हूं। मैंने एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की है। इसलिए मैं जानता हूं की टीम को किस समय में किस चीज की जरूरत है और इस स्तर पर मेरी सटीक भूमिका क्या है। इस स्पष्टता से निश्चित रूप से मनचाहे तरीके से रन बनाने में मदद मिलती है। सैमसन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसे गेंदबाज विरले ही पैदा होते हैं। उन्होंने कहा, ''मैच कांटे की टक्कर का था और वे एक ओवर में 13-15 रन बनाने की कोशिश कर रहे थे। हम जानते थे कि अगर हम मैच को अंत तक ले जाते हैं, तो वे हम पर हावी हो सकते हैं, इसलिए हम मैच को थोड़ा जल्दी खत्म करना चाहते थे।''

अक्षर भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया। अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय। उन्होंने कहा, ''विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है। गावस्कर ने कहा, ''शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं। गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ वह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है। गावस्कर ने इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, ''जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज सदियों में एक बार पैदा होते हैं।

मानसिक रूप से अधिक मजबूत सैमसन अब परिपक्व हो चुका है: शास्त्री

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन के मानसिक दृढ़ता की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस अनुभवी बल्लेबाज ने मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन की जरूरत को समझते हुए अपनी परिपक्वता साबित कर दी है। सलामी बल्लेबाज सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 42 गेंदों में 89 रन बनाकर भारत को गुरुवार को सात रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी। शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, ''मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा। संजू के साथ दिक्कत यह है कि उनके पास हर तरह के शॉट हैं, लेकिन एकाग्रता में कमी है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गया है। जब से वह टीम में आया है तब से किसी ने भी उसकी काबिलियत या प्रतिभा पर शक नहीं किया। लोग इस बात से निराश हैं कि उनके प्रदर्शन में अब तक जो निरंतरता दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिख रही है। लेकिन अब वह परिपक्व हो गया है। फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। सैमसन के सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा की फॉर्म फाइनल से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है। अभिषेक टी20 विश्व कप में सात पारियों में केवल 89 रन ही बना पाए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना है कि भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज को ही मौका देना चाहिए। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए।

भारत के पास हर नंबर पर बेहतरीन बल्लेबाज बुमराह इस समय सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं: ब्रूक

एजेंसी

मुंबई। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए भारत के इस तेज गेंदबाज को 'वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' करार दिया। बुमराह ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के आखिरी ओवरों में सटीक यॉर्करों की बौछार से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हतप्रभ कर दिया। भारत ने यह मैच सात रन से जीता। मौजूदा चैंपियन भारत ने संजू सैमसन की 42 गेंदों में खेली गई शानदार 89 रन की पारी की बदौलत सात विकेट पर 253 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने सात विकेट पर 246 रन बनाए। ब्रूक ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''उनको हराना आसान नहीं है। उनके पास हर नंबर पर बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। उनके पास कुछ बेहद अच्छे बल्लेबाज हैं और वे सटीक शॉट लगाते हैं। अगर आप थोड़ा सा भी चूक जाते हैं, तो छक्का या चौका लग जाता है। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से हमने उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना हम कर सकते थे और कुछ कैच छूटने से हमें थोड़ा नुकसान हुआ। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में ब्रुक ने तब सैमसन का आसान कैच छोड़ दिया, जब वह 15 रन पर थे। इसकी इंग्लैंड को भारी कीमत चुकानी पड़ी। इंग्लैंड ने हालांकि आखिर तक हार नहीं मानी। एक समय उसे 18 गेंद पर 45 रन की जरूरत थी और जैकब बेथेल (105) क्रीज पर थे। लेकिन बुमराह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 18वें ओवर में केवल छह रन दिए और अपनी सटीक यॉर्कर की जिससे इंग्लैंड के सामने अंतिम दो ओवरों में 39 रन बनाने का असंभव लक्ष्य आ गया। ब्रुक ने बुमराह के बारे में कहा, ''वह बहुत अच्छा गेंदबाज है, शायद इस समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है। वह लंबे समय से बहुत अच्छा गेंदबाज रहा है। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा भारतीयों ने भी शानदार फील्डिंग की, अक्षर पटेल का वह कैच (जिससे ब्रूक आउट हो गए थे) निश्चित रूप से मैंने जितनी भी कैच देखे हैं उनमें से सर्वश्रेष्ठ कैच में से एक था। इसके लिए उनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है। ब्रूक ने कहा कि इंग्लैंड का प्रदर्शन शानदार रहा और वह अपने इस अभियान पर गर्व कर सकता हूं। उन्होंने कहा, ''मुझे निराशा है कि हम फाइनल में नहीं पहुंच पाए लेकिन मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। सच कहूं तो एक कप्तान के रूप में मैं इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकता था।

वरुण की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय, लेकिन अक्षर ने कहा वह अब भी तुरुप का इक्का

एजेंसी

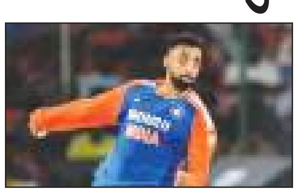

मुंबई। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के बाद से उनकी फॉर्म में लगातार गिरावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। चक्रवर्ती को टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन करने के बाद अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में जैकब बेथेल ने चक्रवर्ती को अपने निशाने पर रखा था। इस भारतीय गेंदबाज ने चार ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के उप कप्तान अक्षर पटेल ने हाल ही में चक्रवर्ती से बातचीत की है और इस बात पर जोर दिया कि जब चीजें अनुकूल नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर कायम रहना कितना महत्वपूर्ण है। अक्षर ने कहा, ''हमने चक्रवर्ती की मौजूदा समस्याओं के बारे में बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मैच खेले हैं, इसलिए सही मानसिकता का होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल और बाकी चीजें भी मायने रखती हैं, लेकिन हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो अपनी रणनीति को नहीं बदलें। उन्होंने कहा, ''पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक आप लाइन बदल देते हैं। दबाव वाली परिस्थितियों में गलतियां हो सकती हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए तुरुप का इक्का हो। खुद पर भरोसा रखो और पूरे आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करो। वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया, लेकिन पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए। इंग्लैंड ने चक्रवर्ती के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी और बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने उन्हें किसी भी समय लय हासिल नहीं करने दी।

ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन

लंदन। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

भारत के चीनी उत्पादन का अनुमान 4.4 प्रतिशत घटाकर 2.83 करोड़ टन किया: एआईएसटीए

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने शुक्रवार को प्रतिकूल मौसम का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र के लिए भारत के चीनी उत्पादन अनुमान को पिछले अनुमान 2.96 करोड़ टन से 4.4 प्रतिशत घटाकर 2.83 करोड़ टन कर दिया है। एआईएसटीए ने एक बयान में कहा कि कुल चीनी उत्पादन 3.15 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जिसमें से 32 लाख टन एथनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल किए जाने की संभावना है। अक्टूबर-सितंबर के चालू सत्र में उत्पादन अभी भी 2024-25 में उत्पादित 2.62 करोड़ टन से अधिक रहने का अनुमान है। एआईएसटीए की फसल समिति ने कहा कि इस सत्र में महाराष्ट्र और पड़ोसी कर्नाटक में असाधारण जलवायु चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जहां लगातार बारिश और लंबे समय तक बादल छाए रहने के कारण गन्ने की वृद्धि के महत्वपूर्ण चरणों में बाधा आई। उद्योग निकाय ने कहा कि अक्टूबर में अत्यधिक बारिश के कारण महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में भारी जलभराव हुआ, खेतों में काम रुक गया और फसल पर दबाव पड़ा। देश के शीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के उत्पादन अनुमान को 1.08 करोड़ टन से घटाकर 99.7 लाख टन कर दिया गया है, हालांकि यह 2024-25 में उत्पादित 81 लाख टन से ऊपर बना हुआ है। भारत के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक उत्तर प्रदेश के लिए अनुमान 94.1 लाख टन से घटाकर 91 लाख टन कर दिया गया है, जो पिछले सत्र के 93 लाख टन से थोड़ा कम है।

संक्षिप्त समाचार

चिदंबरम ने जोर्डन वान फोरेस्ट को हराया, गुकेश ने फिर ड्रॉ खेला

प्राग (चेक गणराज्य)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अराविंद चिदंबरम ने नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरेस्ट को हराया लेकिन विश्व चैम्पियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव के आठवें दौर में एक बार फिर ड्रॉ से संतोष करना पड़ा । गुकेश को जर्मनी के विंसेंट केमेर ने ड्रॉ पर रोका । टाटा स्टील मास्टर्स चैम्पियन उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराकर एकल बढत बना ली है । वान फोरेस्ट उनसे आधा अंक पीछे हैं और अब टूर्नामेंट में एक ही दौर बचा है । नवारा 4 . 5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अराविंद अब केमेर और ईरान के परहाम एम के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। उजबेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव , अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो अगले स्थान पर हैं। गुकेश ढाई अंक लेकर उनके बाद हैं। चैलेंजर वर्ग में चेक गणराज्य के 16 वर्ष के इंटरनेशनल मास्टर फिनेक वांक्लाव ने भारतीय ग्रैंडमास्टर सूर्यशेखर गांगुली को ड्रॉ पर रोका। भारत की दिव्या देशमुख ने नेमेक जाकिम से ड्रॉ खेला।

अदाणी टोटल गैस ने सीएनजी, पीएनजी की कीमतें स्थिर रखीं, कुछ उद्योगों के लिए आपूर्ति में कटौती

नयी दिल्ली। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) और सीएनजी (सीएनजी) की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित होने के चलते कंपनी ने कुछ बड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति में कटौती लागू कर दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि एटीजीएल की कुल गैस मात्रा का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा घरेलू स्रोतों से मिलता है, जिसकी आपूर्ति सीएनजी उपयोगकर्ताओं और घरेलू रसोई ग्राहकों को की जाती है। वाहन मालिकों और आवासीय घरों के इन खंडों में कीमतें स्थिर रहेंगी। अदाणी समूह और फ्रांसीसी ऊर्ज़ा दिग्गज टोटलएनर्जीज की संयुक्त उद्यम कंपनी एटीजीएल अपनी बाकी 30 प्रतिशत गैस मात्रा आयातित एलएनजी (एलएनजी) के जरिये जरिए से पूरा करती है। इसकी आपूर्ति वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को की जाती है। चूंकि बढ़ते युद्ध ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से जहाजों की आवाजाही को रोक दिया है, इसलिए आयातित ईंधन खंड में व्यवधान देखा गया है। अधिकारी ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में आए इस व्यवधान के कारण वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों को अपनी अनुबंधित मात्रा के मुकाबले 40 प्रतिशत तक खपत कम करने के लिए कहा गया है। ग्राहकों को 40 प्रतिशत की सीमा तक उनकी अनुबंधित दरों पर बिल भेजा जाएगा, जो औसतन लगभग 40 रुपये प्रति मानक घन मीटर है। अधिकारी ने आगे बताया कि इस सीमा से अधिक की खपत पर हाजिर बाजार की दरें लागू होंगी। ये दरें सामान्य समय की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं।

आइकिया का 2027-28 तक मुनाफ़े में आने का लक्ष्य, अगले 4-5 वर्षों में 25 नए स्टोर खोलेगी

नयी दिल्ली। स्वीडन की दिग्गज फर्नीचर खुदरा विक्रेता आइकिया भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक भारत में उसका परिचालन मुनाफ़े में आ जाएगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अगले चार-पांच वर्षों में 25 नए छोटे और मध्यम आकार के स्टोर खोलने की योजना है। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुनाफ़े में आने का लक्ष्य कुल राजस्व बढ़ाकर, अधिक स्टोर खोलकर, स्थाई लागत कम करके और परिचालन दक्षता में सुधार करके हासिल किया जाएगा। कंपनी स्थानीय स्तर पर सोर्सिंग बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक मुनाफ़े में आने का है। इसके लिए आइकिया भारत में कई मोर्चों पर काम कर रही है, जिसमें स्टोर के अनुभव को बेहतर बनाना और ग्राहकों के लिए बेहतर समाधान तैयार करना शामिल है। एंटोनी के अनुसार कंपनी के लिए भारत शीर्ष तीन प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। आइकिया इंडिया का कुल घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1,299.4 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि परिचालन राजस्व 3.33 प्रतिशत घटकर 1,749.50 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने छोटे शहरों में विस्तार के लिए छोटे आकार के स्टोर खोलने का विकल्प चुना है। आइकिया 12 मार्च को पुणे में अपना पहला 'सिटी स्टोर' खोल रही है, जो 32,000 वर्ग फुट में फैला है।

इंडियन वेल्स 2026: वीनस विलियम्स पहले दौर में हारकर बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स का बीएनपी परिबास ओपन 2026, जिसे इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है, में अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सिंगल्स और डबल्स ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था। यह उनके इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद वीनस ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन 23 वर्षीय डायने पैरी (विश्व रैंकिंग 111) ने तीसरे सेट में पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करते हुए आसानी से जीत दर्ज कर ली। यह वीनस विलियम्स की इस टूर्नामेंट में 10वीं उपस्थिति थी और 2024 के बाद उनकी पहली वापसी भी। 2024 में भी वह वाइल्ड कार्ड के जरिए खेलते हुए पहले ही दौर में हार गई थीं। पिछले वर्ष उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। मैच से पहले वीनस ने कहा था, ऌमैं इंडियन वेल्स लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं और कैलिफोर्निया में खेलने के लिए घर वापसी जैसा महसूस कर रही हूं।

कर्नाटक: सिद्धारमैया ने पेश किया अपना 17वां बजट, केंद्र पर लगाया अन्याय का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को अपना 17वां बजट पेश करते हुए कहा कि संविधान के अनुसार संघीय शासन व्यवस्था का पालन न करके केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति पर चल रही है, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन में निवेश के साथ ही कल्याणकारी कार्यक्रमों के बीच संतुलन बनाती है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में सबसे आगे है और देश के कर राजस्व में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के लिए रुपया, महंगाई का जोखिम बढ़ा: मूडीज

एजेंसी

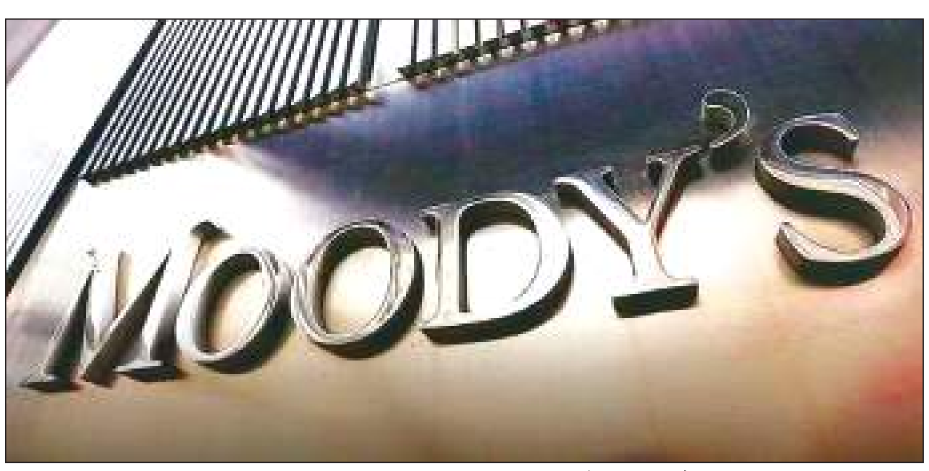

नयी दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्ज़ा की कीमतों में और उछाल आया तो भारत को रुपये पर दबाव, उच्च मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटे (सीएडी) में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। यह जोखिम इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी आयात पर भारत की भारी निर्भरता के कारण है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में भारत उन देशों में प्रमुख है, जो कच्चे तेल और एलएनजी के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी निर्यात के लिए एक प्रमुख मार्ग है। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा, महंगे ऊर्ज़ा आयात से रुपया कमजोर होगा, महंगाई बढ़ेगी, चालू खाता संतुलन बिगड़ेगा और मौद्रिक नीति के साथ ही राजकोषीय प्रबंधन भी जटिल हो जाएगा। मूडीज ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि बुनियादी ढांचे को अभी तक महत्वपूर्ण नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन जलडमरूमध्य के माध्यम से पोत परिवहन काफी हद तक रुक गया है और कुछ क्षेत्रीय बंदरगाहों ने परिचालन निलंबित कर दिया है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि यदि यह व्यवधान कुछ हफ्तों से अधिक समय तक बना रहता है, तो ब्रेंट क्रूड की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आशियाना परिवार, लखनऊ का 26वां होली उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आशियाना परिवार, लखनऊ की ओर से द्विवेदी पार्क, सेक्टर-के, आशियाना कॉलोनी में 26वां होली उत्सव एवं फूलों की होली का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। भारतीय संस्कृति के प्रतीक इस पर्व में लगभग 1200 से 1500 गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. अशोक बाजपेयी रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ की प्रसिद्ध गायिका श्रीमती शीलू श्रीवास्तव और उनकी टीम ने होली के पारंपरिक गीतों और संगीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को रंगमय बना दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने फूलों की होली खेलते हुए उत्सव का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने होली के पारंपरिक पेय ठंडई तथा विशेष व्यंजनों का भी आनंद उठाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव का माहौल उल्लास और उमंग से भरपूर रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशियाना परिवार के संरक्षकों, प्रबंध पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। इसके साथ ही नगर निगम, आशियाना कोतवाली तथा लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट का भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग रहा। आशियाना परिवार, लखनऊ के अध्यक्ष आर. डी. द्विवेदी ने कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों, अतिथियों और उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आशियाना परिवार आगे भी इसी प्रकार सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से समाज में भाईचारे और एकता को मजबूत करने का कार्य करता रहेगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

घाघराघाट में वैकल्पिक पीपे पुल का निर्माण शुरू, डेढ़ माह में तैयार करने का लक्ष्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। घाघराघाट स्थित संजय सेतु पर बढ़ते दबाव और आवागमन को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने वैकल्पिक पीपे पुल के निर्माण का कार्य गुरुवार से शुरू कर दिया है। पुल निर्माण शुरू होने से क्षेत्रीय लोगों में राहत की उम्मीद जगी है, क्योंकि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। निर्माण कार्य में लगे तिलक राम लोधी ने बताया कि पीपे पुल के निर्माण के लिए कुल 208 पीपों की आवश्यकता है। फिलहाल उपलब्ध संसाधनों के अनुसार लगभग 170 पीपों को जोड़कर पुल तैयार किया जा रहा है। यदि घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ता है तो पीपों की संख्या बढ़ाकर पुल को और सुरक्षित बनाया जाएगा। निर्माण प्रक्रिया के तहत सबसे पहले पीपों को आपस में मजबूती से जोड़ा जाएगा। इसके बाद उनके ऊपर लकड़ी के पटरे बिछाए जाएंगे और अंत में लोहे की चादरें लगाई जाएंगी, जिससे पुल पर पैदल यात्रियों तथा हल्के वाहनों का आवागमन सुगमता से हो सके। अवर अभियंता अनंत मौर्य ने शुक्रवार को बताया कि पैंटून (पीपे) पुल का अप्रोच मार्ग बनना शुरू हो गया है और अब तक लगभग 35 पीपे जोड़ दिए गए हैं। लगातार पीपों की आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है। पीडब्ल्यूडी द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। विभाग ने एक से डेढ़ माह के भीतर पुल को चालू करने का लक्ष्य रखा है, ताकि जल्द से जल्द क्षेत्र की जनता को आवागमन में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

जलालगंज में शटल एक्सप्रेस को सांसद प्रिया सरोज ने दिखाई हरी झंडी, क्षेत्र में खुशी की लहर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रिया सरोज के प्रयासों से लखनऊ-वाराणसी सुपरफास्ट शटल एक्सप्रेस (20401/20402) का ठहराव अब जलालगंज रेलवे स्टेशन पर शुरू हो गया है। शुक्रवार को ट्रेन अपने निर्धारित समय पर जलालगंज स्टेशन पहुंची, जहां पहले से मौजूद सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ ट्रेन का जोरदार स्वागत किया।इस अवसर पर रेलवे के अधिकारियों की मौजूदगी में सांसद प्रिया सरोज ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया। ट्रेन के ठहराव की शुरुआत से क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला और लोगों ने इसे लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति बताया।सांसद प्रिया सरोज ने बताया कि जलालगंज स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग लंबे समय से क्षेत्र की जनता कर रही थी। इस मुद्दे को उन्होंने लोकसभा के प्रश्नकाल में भी उठाया था और रेल मंत्री को पत्र लिखकर जलालगंज स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता से अवगत कराया था।उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के जलालगंज और आसपास के ग्रामीण इलाकों के हजारों यात्रियों को लखनऊ और वाराणसी जाने के लिए अन्य स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे यात्रियों को समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत करनी पड़ती थी।उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से लखनऊ-वाराणसी सुपरफास्ट शटल एक्सप्रेस के जलालगंज स्टेशन पर ठहराव की पुष्टि की गई थी।सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि इस सुविधा से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को अब अन्य स्टेशनों तक लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। स्थानीय नागरिकों ने सांसद के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

उत्सव से उत्साह की ओर ले जाने का कार्य करते हैं भारतीय त्योहार : प्रांत प्रचारक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मऊ। मऊ में शीतला माता मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचार परिवार द्वारा फाल्गुनोत्सव एवं होली उत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग सपरिवार शामिल हुए और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश ने कहा कि भारतीय त्योहार उत्सव से उत्साह की ओर ले जाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी उत्सव तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक उसमें उत्साह और आत्मीयता न हो। होली का पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो कुटुंब व्यवस्था और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इतिहास में अनेक आक्रमणकारियों ने भारत की संपदा और मंदिरों को लूटा, लेकिन हमारी हजारों वर्षों पुरानी पारिवारिक व्यवस्था और परंपराओं को नहीं तोड़ पाए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि होली का पर्व समरसता और भाईचारे का संदेश देता है। विभिन्न रंगों का एक साथ मिलना भारत की अनेकता में एकता की भावना को मजबूत करता है। कार्यक्रम में प्रख्यात भोजपुरी कलाकार एवं अभिनेता आर्यन बाबू ने होली खेले रघुवीरा और मसाने की होली जैसे फाग और भोजपुरी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। उनके गीतों पर जनसामान्य से लेकर गणमान्य लोग भी झूम उठे और पूरा परिसर फागुन के रंग में रंगा नजर आया। जनपद के विभिन्न नगरों से लगभग ढाई हजार से अधिक महिला, पुरुष और बच्चे कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होलिकोत्सव की बधाई दी। इस मौके पर विभाग प्रचारक अंबेश, जिला प्रचारक आर्यम, नगर प्रचारक रितेश, भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य, उमेश पाण्डेय, देवेंद्र सिंह, अभिषेक खंडेलवाल, शक्ति सिंह, सुनील यादव, सह प्रांत कारवाह रामविलास, विभाग संघ चालक राम प्रताप, विभाग कारवाह विनोद, जिला संघ चालक कैलाश, जिला कारवाह भूवेश, वीरेंद्र, नगर कार्यवाह अंबरीश, जिला प्रचार प्रमुख प्रिंस, संतोष सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पेंट और स्क्रैप फैक्ट्री में लगी भीषण आग, बुझाने में लगीं एक दर्जन दमकल गाड़ियां

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद के मेरठ रोड पर स्थित मैनापुर इंडस्ट्रियल एरिया में बृहस्पतिवार की देर रात को पेंट बनाने वाली फैक्ट्री और स्क्रैप फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी लपटें दो किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रही थीं। सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए जल्द ही 10 और गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद शुक्रवार तड़के आग पर काबू पाया गया। यह घटना मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में हुई। गाजियाबाद के मुख्य दमकल अधिकारी राहुल पाल ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार की देर रात को मैनापुर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक पेंट फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेज दी गईं। मौके पर जाकर पता चला कि आग ने पेंट फैक्ट्री के साथ-साथ बगल में स्थित स्क्रैप फैक्ट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया है। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री परिसर में मौजूद कर्मचारियों और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आग की ऊंची लपटें करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रही थीं। पेंट फैक्ट्री में बड़ी संख्या में केमिकल व पेंट से भरे ड्रम रखे हुए थे, जो कि अत्यंत ज्वलनशील होते हैं। ऐसे में आग फैलने के बाद इन ड्रमों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। ड्रमों में हो रहे धमाकों के कारण आग तेजी से फैलती चली गई, जिससे पड़ोस की स्क्रैप फैक्ट्री में भी आग लग गई।

दिल्ली से अपहृत नाबालिग बालिका को जीआरपी ने कानपुर सेंट्रल पर किया सकुशल बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने सतर्कता और त्वरित कार्रवाई करते हुए राजधानी दिल्ली से अपहृत एक नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। बालिका को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संबंधित थाने की पुलिस को सौंप दिया गया। जीआरपी कानपुर सेंट्रल को दिल्ली के गांधी नगर थाना क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई थी कि 14 वर्षीय नाबालिग बालिका को हावड़ा से करीब सात दिन पहले अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। इस संबंध में थाना गांधी नगर दिल्ली में मुकदमा दर्ज किया गया था और बालिका की तलाश में रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता बरतने को कहा गया था। सूचना मिलते ही जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने स्टेशन परिसर में विशेष चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और विभिन्न ट्रेनों में सघन तलाशी ली गई। इसी दौरान झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में चेकिंग के दौरान संदिग्ध स्थिति में एक किशोरी दिखाई दी। पूछताछ करने पर उसकी पहचान नुसरत खातून के रूप में हुई। जीआरपी टीम ने तत्काल बालिका को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर महिला हेल्प डेस्क पर बैठाया और आवश्यक पूछताछ की। इसके बाद दिल्ली पुलिस को सूचना देकर नियमानुसार बालिका को उनके सुपुर्द कर दिया गया, ताकि आगे की विधिक कार्रवाई की जा सके। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और लापता अथवा अपहृत बच्चों की बरामदगी को लेकर जीआरपी लगातार सतर्क रहती है। समय पर मिली सूचना और टीम की तत्परता से नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया।